प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 सितंबर, 2024 को जम्मू के मौलाना आज़ाद स्टेडियम में चल रहे जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के बीच एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:288 दिनांक:29-09-2024 रविवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

लेबनान के हिज़बुल्लाह के समर्थक उस समय प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं जब समूह के नेता हसन नसरल्लाह 9 अगस्त, 2022 को बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में एक विशाल स्क्रीन के माध्यम से उन्हें संबोधित करते हैं। हिज़बुल्लाह ने 28 सितंबर, 2024 को पुष्टि की कि उसके नेता की मौत हो गई है,

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की दौड़ में वसुंधरा एवं शिवराज आगे

- संघ लगाना चाह रही है मोदी-शाह पर लगाम

- संजय जोशी का नाम पर सहमति नहीं

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम पर एक बार फिर चौंकाने वाला परिणाम देने की तैयारी में दिख रही है। ऐसे में यदि संघ की चलती है तो वसुंधरा राजे सिंधिया बीजेपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगी। वैसे पार्टी आलाकमान वसुंधरा राजे और शिवराज सिंह चौहान के नामों को आगे कर विचार करने में लगे हुए हैं। वहीं संघ अब चाह रहा है कि मोदी और शाह पर लगाम कसी जाए और पार्टी के सभी लोग जिस नाम पर मोहर लगाएं उसे ही पार्टी अध्यक्ष बनाया जाए। इसे लेकर पार्टी और संघ में तनातनी की स्थिति बनी हुई है।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर चहुंओर चर्चाओं का दौर शुरु हो गया है। यहां पार्टी के शीर्ष सूत्रों की मानें तो पार्टी आलाकमान राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने पर गंभीरता के साथ विचार कर रहे हैं। वहीं पार्टी नेतृत्व मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाना चाह रहा है। इससे हटकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से पहले ही संजय जोशी का नाम अध्यक्ष पद के लिए प्रस्तावित किया जा चुका था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह उनके नाम पर सहमत होते नहीं दिखे हैं। मोदी और शाह की पहली पसंद शिवराज सिंह चौहान बन गए हैं, संघ की पसंद वसुंधरा राजे का नाम है। ऐसे में संघ नहीं चाहता कि अध्यक्ष पद को लेकर किसी तरह खींचतान हो या फिर विवाद उत्पन्न हो, इसलिए संघ ने इशारा कर दिया है कि पार्टी के सभी लोग जिसे चाहें उसे ही पार्टी अध्यक्ष बनाया जाएगा।

लोकसभा चुनाव 2024 में पार्टी के प्रदर्शन को देखते हुए माना जा रहा है कि भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष अब संघ की पसंद का ही होगा। इससे पार्टी में संघ का वर्चस्व बनाने में मदद मिलेगी। भाजपा के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों में वर्तमान नेतृत्व के खिलाफ जो नाराजगी है, संघ उस नाराजगी को दूर करके पार्टी को एकजुट बनाने की दिशा में काम कर रहा है। संघ के फार्मूले पर यदि पार्टी अध्यक्ष का चुनाव होता है तो संजय जोशी या वसंधरा राजे ही अगले अध्यक्ष हो सकते हैं, यदि मौजूदा पार्टी नेतृत्व की चली तो शिवराज सिंह के नाम पर सहमति बनेगी, जो आगे भी तनातनी का कारण बनेगा। वैसे वसुंधरा राजे पार्टी अध्यक्ष बनाए जाने को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रही हैं।

नए अध्यक्ष के नेतृत्व में ही होगा महाराष्ट्र-झारखंड चुनाव

भारतीय जनता पार्टी के नये राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में ही पार्टी महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव लड़ने की रणनीति पर कार्य कर रही है। ऐसे में जो भी अध्यक्ष बनता है, उसकी एक बड़ी जिम्मेदारी होगी दोनों ही राज्यों में पार्टी को बड़ी जीत दिलवाना। सूत्रों की मानें तो अगले महीने में ही चुनाव आयोग महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव घोषित कर सकता है, ऐसे में पार्टी के नये अध्यक्ष के लिए यह चुनौतीपूर्ण चुनाव नहीं होगा। समय कम होगा, और सभी को साधना कोई आसान बात नहीं होगी।

आठ बच्चों सहित 17 बांग्लादेशियों को वापस भेजा

-सीएम सरमा ने की असम पुलिस की तारीफ

दिसपुर (ईएमएस)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया कि असम पुलिस ने तड़के आठ बच्चों सहित 17 बांग्लादेशियों को सीमा पार वापस भेज दिया। सीएम सरमा ने भारत में रोहिंग्याओं को लेकर आगाह करते हुए कहा था कि घुसपैठ काफी बढ़ गई है और जनसांख्यिकीय आक्रमण का खतरा वास्तविक और गंभीर दोनों है। उन्होंने कहा कि असम भारत-बांग्लादेश सीमा के केवल एक हिस्से की रक्षा कर रहा है, लेकिन एक बड़ा क्षेत्र अभी भी असुरक्षित है।

असम पुलिस की तारीफ कर सीएम सरमा ने कथित घुसपैठियों के नाम भी बताए-हारुल लामिन, उमाई खुनसुम, मोहम्मद इस्माइल, संसिदा बेगम, रूफिया बेगम, फातिमा खातून, मोजुर रहमान, हबी उल्लाह, सोबिका बेगम। इसके पहले सरमा ने कहा था कि मैंने असम, झारखंड और बंगाल में जनसांख्यिकीय आक्रमण देखा है। सरमा ने कहा, जब जनगणना होगी, तब पूर्वी भारत के राज्यों की जनसांख्यिकी पर चौंकाने वाली खबरें आएगी।

उन्होंने कहा, असम में स्थिति अलग है, क्योंकि लोग जनसांख्यिकीय आक्रमण के बारे में बहुत जागरूक हैं। सरमा ने कहा कि अवैध विदेशियों के खिलाफ असम आंदोलन के दौरान, लोगों ने चेतावनी दी थी कि राज्य के सामने आने वाली समस्याएं अंततः पूरे देश को प्रभावित करेंगी, और हम देख रहे हैं कि अब ऐसा हो रहा है। उन्होंने कहा कि यदि 2024 और 2019 की मतदाता सूची की तुलना की जाए तो जनसांख्यिकीय परिवर्तन स्पष्ट होगा।

पश्चिम एशिया में टेंशन ऑल टाइम हाई...हिज्बुल्लाह पर 10 दिनों का सबसे भीषण हमला,

लेबनान में हेडक्वार्टर 80 टन बम से उड़ाया, हिज्बुल्लाह चीफ नसरल्लाह ढेर

बेरूत(ईएमएस)। इजराइली हमले में हिज्बुल्लाह का चीफ हसन नसरल्लाह मारा गया है। इजराइल डिफेंस फोर्स ने शनिवार को यह दावा किया है। इजराइल ने 27 सितंबर को लेबनान की राजधानी बेरूत में हिज्बुल्लाह के हेडक्वार्टर पर 80 टन बंकर बस्टर बम से हवाई हमला किया था। तब नसरल्लाह भी यहीं मौजूद था। आईडीएफ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि अब दुनिया को नसरल्लाह से डरने की जरूरत नहीं है। वह आतंक नहीं फैला पाएगा। हालांकि हिज्बुल्लाह की तरफ से अब तक नसरल्लाह की मौत की पुष्टि नहीं हुई है।

इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच लड़ाई लगातार भीषण होती जा रही है जिसकी कीमत लेबनान के आम लोग भी चुका रहे हैं. भारतीय समयानुसार शुक्रवार देर शाम इजरायल ने लेबनान की राजधानी बेरूत में एक के बाद एक कई एयरस्ट्राइक कीं. ये हमला यूएनजीसी में नेतन्याहू के भाषण के बाद हुआ है. इसे इजरायल का लेबनान में सबसे भीषण हमला माना जा रहा है. इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच लड़ाई लगातार भीषण होती जा रही है जिसकी कीमत लेबनान के आम लोग भी चुका रहे हैं. भारतीय समयानुसार शुक्रवार देर शाम इजरायल ने लेबनान की राजधानी बेरूत में एक के बाद एक कई एयरस्ट्राइक कीं. ये हमला यूएनजीसी में नेतन्याहू के भाषण के बाद हुआ है. इसे इजरायल का लेबनान में सबसे भीषण हमला माना जा रहा है. इस हमले के बाद आसमान में धुएं के गुबार छा गए. इजरायल ने बेरूत स्थित हिज्बुल्लाह के मुख्यालय पर भी हमला किया. ये मुख्यालय एक रियाशी इमारत के नीचे था. बताया जा रहा है कि इसमें हिज्बुल्लाह चीफ नसरल्लाह ने बंकर बनाया हुआ था. पहले बताया गया था कि बंकर में नसरल्लाह हो सकता है. हालांकि सूत्रों की मानें तो हिज्बुल्लाह की तरफ से इसका खंडन कर दिया गया है. बताया जा रहा है कि हमले से पहले इजरायल ने अमेरिका को भी इसकी जानकारी दी थी. इन हमलों में 6 इमारतें पूरी तरह तबाह हो गईं.

इजराइल ने नसरल्लाह के अलावा उसकी बेटी जैनब की मौत का भी दावा किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हिजबुल्लाह चीफ की बेटी का शव उस कमांड सेंटर के मलबे में मिला है जिस पर इजराइल ने हमला किया था। उन्होंने कहा कि लेबनान के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। इजराइली सेना ने लेबनान में बेरूत समेत कई इलाकों पर दूसरे दिन भी मिसाइल हमले किए हैं। इजराइल ने बेरूत के दहियाह शहर में रहने वाले लोगों को तुरंत इलाका खाली करने को कहा है। इजराइली सेना का कहना है कि इन जगहों का इस्तेमाल हिज्बुल्लाह, इजराइल पर हमले के लिए कर रहा है।

इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच 2006 के बाद सबसे भयानक लड़ाई छिड़ी है। 2006 में लेबनान पर हुए इजराइली हमले में हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। 17 सितंबर को लेबनान पर पेजर अटैक हुआ था। इसके ठीक एक दिन बाद पेजर और वॉकी-टॉकी में भी विस्फोट हुए थे। हिज्बुल्लाह और लेबनान ने इजराइल को इन हमलों का जिम्मेदार माना था। तब से इजराइल लगातार लेबनान में मिसाइल हमले कर रहा है। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइली मिसाइल हमलों की वजह से लेबनान में 700 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। इसके अलावा 5 लाख से ज्यादा लोगों को अपना घर छोड़कर जाना पड़ा है। इजराइल ने लेबनान में चलाए जा रहे ऑपरेशन को नॉर्दर्न एरोज नाम दिया है। इजराइली डिफेंस फोर्स ने 23 सितंबर को लेबनान पर सबसे बड़ा हमला किया था। आईडीएफ ने हिजबुल्लाह के 1600 ठिकानों को निशाना बनाते हुए एयर स्ट्राइक की थी। इनमें 10 हजार रॉकेट बर्बाद करने का दावा किया गया। इस हमले में 569 लोगों की मौत हुई।

आईडीएफ का कहना है कि वह वर्तमान में बेरूत के दहियाह उपनगर में तीन इमारतों पर हमला कर रहा है, जहां हिजबुल्लाह ने एंटी-शिप मिसाइलों का भंडारण किया हुआ है। सेना ने कहा कि हमलों के बारे में आगे की जानकारी बाद में दी जाएगी। इससे पहले, आईडीएफ ने बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में तीन इमारतों के आस-पास के नागरिकों को चेतावनी दी थी कि उन पर जल्द ही हमला किया जाएगा। आईडीएफ के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि नागरिक इमारतों के नीचे भूमिगत भंडारण सुविधाएं हैं, जहां हिज्बुल्लाह ने तट से समुद्र तक मिसाइलें, हथियार रखे हैं जो इजरायल और अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के लिए खतरा हैं।

इजरायल ने बेरूत हवाई अड्डे के नियंत्रण टॉवर की प्रसारण फ्रीक्वेंसी पर कब्जा किया और एक ईरानी विमान को लेबनान में उतरने से रोकने का आदेश दिया है। लेबनान के एमटीवी नेटवर्क ने हाल ही में परिवहन और लोक निर्माण मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से बताया है (जिसका नेतृत्व हिज्बुल्लाह के मंत्री अली हमिया कर रहे हैं) कि इजरायल ने बेरूत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की प्रसारण फ्रीक्वेंसी पर कब्जा कर लिया है और हवाई अड्डे को आदेश दिया है कि एक ईरानी विमान को उतरने से रोका जाए। यदि इस आदेश का पालन नहीं किया गया, तो बल प्रयोग किया जाएगा। इसके बाद, लेबनान के परिवहन मंत्री (जिनका संबंध हिज्बुल्लाह से है) ने ईरानी विमान को बेरूत में न उतरने का आदेश दिया।

इजरायली सेना ने बेरूत के अल-बराजनेह और अल-हदाथ इलाकों के निवासियों को तुरंत अपने घर छोड़ने और 500 मीटर से अधिक दूर जाने का आदेश दिया है, क्योंकि हिज्बुल्लाह पर इजरायली हमले जारी हैं। इजरायली सेना के अरबी भाषा के प्रवक्ता अवीचाय अद्राई ने शनिवार को एक बयान में कहा, आप हिज्बुल्लाह के ठिकानों के पास हैं, और अपनी और अपने प्रियजनों की सुरक्षा के लिए आपको तुरंत इमारतों को खाली कर देना चाहिए और 500 मीटर से कम दूरी तक नहीं रुकना चाहिए। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, यह आदेश इजरायली हमलों के बढ़ते खतरों के बीच दिया गया है।

लेबनान में, विशेषकर अपने शिया समर्थकों के बीच हसन नसरल्लाह सुप्रीम लीडर की साख रखता था। उसे किसी देश के साथ युद्ध छेड़ने या शांति बहाली का निर्णय करने में सक्षम एकमात्र व्यक्ति के रूप में देखा जाता था। साल 2006 में भी लेबनान पर इजरायली हमले में हसन नसरल्लाह के मारे जाने का दावा किया गया था। हालांकि, वह कुछ दिनों बाद सही सलामत सामने आया था। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इजरायली हमले के बढ़ने की आशंका को देखते हुए बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में स्थित अस्पतालों को खाली करने का आदेश दिया है। उन मरीजों को भर्ती नहीं करने के लिए कहा गया है, जिनकी स्थिति गंभीर नहीं है। ताकि संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों से स्थानांतरित होने वाले मरीजों के लिए अस्पतालों में जगह बनाई जा सके।

वैक्सीन पर रिसर्च कर फंसे बीएचयू के 11 वैज्ञानिक

भारत बायोटेक ने 5 करोड़ की मानहानि का दावा किया

वाराणसी (ईएमएस)। भारत बायोटेक ने जर्नल और बीएचयू के 11 वैज्ञानिकों पर 13 सितंबर को 5 करोड़ की मानहानि का दावा किया है। इसके बाद इंटरनेशनल जर्नल ने भी इसकी समीक्षा का फैसला किया और इसे पब्लिक डोमेन से हटा लिया। इंटरनेशनल जर्नल नेचर के ड्रग सेफ्टी जर्नल के एडिटर ने बताया कि लोगों पर वैक्सीन के इफेक्ट को गलत तरीके से दिखाया गया है। बायोटेक द्वारा मानहानि का दावा किए जाने के बाद इस रिसर्च पेपर को वापस ले लिया गया है। इसे पब्लिक प्लेटफॉर्म से हटा लिया गया है। ये रिसर्च आईएमएस बीएचयू के फार्माकोलॉजी और जीरियाट्रिक विभाग में संयुक्त रूप से किया गया था।

बीएचयू के वैज्ञानिक प्रोफेसर शंख शुभ्रा चक्रवर्ती सहित 11 वैज्ञानिकों की टीम ने भारत बायोटेक की कोरोना वैक्सीन कोवैक्सीन पर एक रिसर्च किया था। रिसर्च पूरी तरह टेलीफोनिक था। इसमें 635 किशोर और 291 वयस्क शामिल हुए थे। इसका रिसर्च पेपर 13 मई को कौवैक्सीन के सुरक्षा विश्लेषण (बीबीवी152) नाम से जर्नल में प्रकाशित हुआ था। जिसमें इसके साइड इफेक्ट की चर्चा थी और इसे एक साल में कम्प्लीट होना बताया गया था।

लोकसभा चुनाव के बीच आने से मचा था बवाल

13 मई 2024 को जर्नल में प्रकाशित होते ही देश में चल रहे लोकसभा चुनाव में विपक्ष सत्ता पक्ष पर हावी हो गया था। रिसर्च पेपर की प्रतियां प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिखाई जाने लगी थीं। इस पर उसी समय आईसीएमआर ने प्रतिबंध की मांग की थी। क्योंकि इस रिसर्च में आईसीएमआर का भी नाम था। 28 मई को इस लिखित मांग के जवाब में वैज्ञानिकों ने नाम हटाने की बात कही थी।

बीएचयू ने झाड़ लिया था पल्ला, अधूरा बताया था

आईसीएमआर ने रिसर्च में नाम यूज करने पर आईएमएस बीएचयू के डायरेक्टर प्रोफेसर एसएन संखवार को नोटिस भेजा था। जिसमें पूछा था कि यह रिसर्च कैसे किया गया? डायरेक्टर ने इस पर एक जांच कमेटी बनाई थी। जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में इस रिसर्च को ही अधूरा बताया था।

लोगों में सांस संबंधी इन्फेक्शन बढ़ रहा

स्टडी करने वाले शंख शुभ्रा चक्रवर्ती ने कहा कि हमने उन लोगों का डेटा कलेक्ट किया जिन्हें वैक्सीन लगे एक साल हो गया था। 1,024 लोगों पर स्टडी हुई। इनमें से 635 किशोर और 291 वयस्क शामिल थे। स्टडी के मुताबिक,304(47.9 प्रतिशत) किशोरों और124(42.6 प्रतिशत) वयस्कों में सांस संबंधी इन्फेक्शन (अपर रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन) देखे गए। इससे लोगों में सर्दी, खांसी जैसी समस्याएं देखी गईं।

ताज होटल को बम से उड़ाने की धमकी

बंगलूरू(ईएमएस)। कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू के ताज वेस्ट एंड होटल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इस होटल को धमकी भरा ईमेल भेजा गया। मेल सामने आने के बाद बंगलूरू पुलिस जांच में जुट गई है। बंगलूरू पुलिस के डीसीपी शेखर एच टी ने होटलों को धमकी भरा ईमेल मिलने की पुष्टि की है। सूचना मिलते हुए तुरंत होटल की सुरक्षा बढ़ाने के साथ जांच शुरू कर दी गई है। बम निरोधक दस्ता और शहर पुलिस की टीम होटल में पहुंच गई है।

मुंबई विश्वविद्यालय के सीनेट चुनाव में सभी सीटों पर जीत तो बस शुरुआत - आदित्य ठाकरे

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई विश्वविद्यालय के सीनेट चुनाव में शिवसेना (यूबीटी) की युवा शाखा 'युवा सेना ने प्रचंड जीत हासिल करते हुए सभी 10 स्नातक सीटें हासिल कर लीं तथा भाजपा से संबद्ध अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को आसानी से हरा दियाइस जीत पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि मुंबई विश्वविद्यालय के सीनेट चुनाव में सभी सीटों पर उनकी पार्टी की जीत तो बस शुरुआत है, इस तरह की जीत आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भी दोहराई जानी चाहिए।

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के आवास 'मातोश्री के बाहर उत्साहित पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा कि सीनेट चुनाव के नतीजे केवल मुंबई में ही नहीं हुआ, बल्कि ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिले में भी मतदान हुआ और यह जीत उनकी पार्टी के प्रभाव को दर्शाती है।

अवैध पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, बच्चे समेत 3 जिंदा जले

सोनीपत(ईएमएस)। हरियाणा के सोनीपत में अवैध रूप से चल रही पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इस आग में 3 लोगों की मौत हो गई है। अब तक 3 शव बरामद कर लिए गए हैं। इनमें एक शव गांव की महिला का, जबकि दूसरा बच्चे का है, तीसरा एक अन्य महिला का है। फैक्ट्री में जोरदार धमाके के बाद ग्रामीणों को हादसे का पता चला। ब्लास्ट से साथ लगते मकानों की दीवारों में दरारें आ गई। जिस मकान में पटाखे बनाए जा रहे थे, वह भी ढह गया और काम करने वाले मजदूर मलबे में दब गए। यहां 10-12 मजदूर काम कर रहे थे।

हादसे में करीब 6 महिलाओं समेत 7 व्यक्ति बुरी तरह झुलस गए हैं। झुलसे मजदूरों को रोहतक पीजीआई रेफर किया गयाहै। आगगैस सिलेंडर में लीकेज के कारण लगी थी। मकान गांव के बीचों बीच है और इसका मलबा हटाने की कार्रवाई जारी है। कुछ ही देर में आग फैल गई और उसमें काम कर रहे मजदूरों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। आग लगने के बाद गांव में अफरातफरी मच गई। ग्रामीणों ने उसमें काम कर रहे लोगों को बाहर निकाला। पुलिस ने मकान मालिक वेदप्रकाश को गिरफ्तार कर लिया है। घायलों में इसकी बेटी भी शामिल है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के साथ दो अलग-अलग मुठभेड़ में पुलिसकर्मी शहीद, दो आतंकवादी मारे गए

नई दिल्ली (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में शनिवार की शाम को एक दूरस्थ ग्रामीण इलाके में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में जम्मू-कश्मीर पुलिस का एक हेड कांस्टेबल शहीद हो गया और एक सहायक उपनिरीक्षक घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि, कठुआ जिले के एक सुदूर गांव में सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई। बिलावर तहसील के कोग-मंडली गांव में मुठभेड़ शाम को करीब साढ़े पांच बजे शुरू हुई। सुरक्षा बलों ने एक घर में आतंकवादियों के एक गुट के मौजूद होने की सूचना मिलने के बाद संयुक्त घेराबंदी की थी और तलाशी अभियान शुरू किया था। इसी बीच मुठभेड़ शुरू हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि शुरू में गोलीबारी कुछ देर तक चली लेकिन बाद में दोनों पक्षों के बीच भारी गोलीबारी शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि गोलीबारी में एक पुलिस हेड कांस्टेबल शहीद हो गया और सहायक उपनिरीक्षक घायल हो गया। अधिकारियों के अनुसार अंतिम सूचना मिलने तक गोलीबारी जारी थी। वहीं कुलगाम जिले में भी सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए और जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक अधिकारी सहित पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ कुलगाम के अदिगाम इलाके में हो रही थी।

मुंबई में आतंकी हमले की आशंका

फेस्टिवल सीजन से पहले खुफिया एजेंसियों की चेतावनी

मुंबई(ईएमएस)। भारत की वित्तीय राजधानी मुंबई में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। खुफिया एजेंसियों ने फेस्टिवल के मौके पर हमले की आशंका जताई है। इस संभावित खतरे के मद्देनजर, शहर की सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद किया जा रहा है। महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा जांच बड़े पैमाने पर की जा रही है। खुफिया एजेंसियों के इनपुट पर शहर में भीड़भाड़ वाले स्थानों और धार्मिक स्थलों पर मॉक-ड्रिल किया जा रहा है और तमाम क्षेत्रीय अधिकारियों को अपने इलाके में खास ध्यान रखने को कहा गया है।

हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों, मॉल्स और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। सुरक्षा बलों ने इन जगहों की जांच-पड़ताल तेज कर दी है। सुरक्षा सिस्टम को अधिक सक्षम बनाने के लिए एडवांस टेक्नोलॉजी का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। मुंबई पुलिस ने एक बयान में कहा कि हमें भीड़भाड़ वाले स्थलों और धार्मिक स्थलों पर मॉक ड्रिल करने का निर्देश दिया गया है। सभी डीसीपी को अपने-अपने क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है।

जिरीबाम में हिंसा, मैतेई गांव पर फायरिंग

चुराचांदपुर-कांगपोकपी में 3 दिनों का बंद

इंफाल(ईएमएस)। मणिपुर के जिरीबाम जिले में शनिवार को फिर हिंसा हुई। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध उग्रवादियों ने सुबह करीब 11.30 बजे मोंगबुंग मैतेई गांव में अंधाधुंध फायरिंग की। गांव के वालेंटियर ने जवाबी कार्रवाई की। फिलहाल गोलीबारी जारी है। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया जा रहा है। दूसरी तरफ, चुराचांदपुर और कांगपोकपी जिलों में आज बंद का दूसरा दिन है। इसके कारण बाजार बंद रहे। सड़कें वीरान दिखीं। अधिकारियों ने बताया कि कुकी-जो समूहों ने दोनों जिलों में रविवार, 29 सितंबर तक बंद का आह्वान किया है।

इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम और कुकी स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन सहित अन्य कुकी समुदाय सिक्योरिटी एडवाइजर कुलदीप सिंह के बयान का विरोध कर रहे हैं। कुलदीप सिंह ने 20 सितंबर को दावा किया था कि मणिपुर में म्यांमार से 900 कुकी उग्रवादी घुस गए हैं। कुलदीप सिंह के मुताबिक, ये उग्रवादी ड्रोन बम, प्रोजेक्टाइल, मिसाइल और गोरिल्ला युद्ध में ट्रेंड हैं। ये 30-30 लोगों के ग्रुप में हैं और अलग-अलग क्षेत्रों में छिपे हुए हैं। वे 28 सितंबर के आसपास मैतेई गांवों पर हमले कर सकते हैं। हालांकि, राज्य सरकार ने 25 सितंबर को ऐसे किसी हमले का दावा वापस ले लिया था।

भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त

मणिपुर पुलिस ने शनिवार को बयान जारी कर बताया कि सुरक्षाबलों ने तीन जिलों से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी जब्त किया है। मणिपुर पुलिस और असम राइफल्स की एक जॉइंट टीम ने कांगपोकपी जिले के लोइचिंग रिज से दो .303 राइफल, मैगजीन के साथ एक 9 मिमी पिस्तौल, कारतूस, चार हैंड ग्रेनेड, दो डेटोनेटर और एक देसी मोर्टार और लंबी दूरी का इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार जब्त किया है। पुलिस, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स और सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स के सुरक्षाबलों ने चुराचांदपुर जिले के गोथोल गांव में एक अन्य सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान दो मोर्टार जब्त किए गए, जिन्हें स्थानीय तौर पर पम्पी कहा जाता है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ग्रेट निकोबार द्वीप में मेगा इन्फ्रा परियोजना को दी गई मंजूरी पर सवाल उठाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को एक और पत्र लिखकर ग्रेट निकोबार द्वीप में मेगा इन्फ्रा परियोजना को दी गई मंजूरी पर फिर से विचार करने को कहा है। कांग्रेस महासचिव ने ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना को पर्यावरणीय मंजूरी पर पुनर्विचार करने के लिए सौंपे गए एक उच्चस्तरीय समिति के आचरण, संरचना और निष्कर्षों पर भी आपत्ति जाहिर की है।

जयराम रमेश ने कहा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय का यह इनकार करना कि निकोबार परियोजना क्षेत्र का कोई भी हिस्सा निर्माण के लिए प्रतिबंधित तटीय क्षेत्रों में आता है, एक नाटकीय यू-टर्न था। उन्होंने पूछा कि प्रस्तुत नए तथ्यों पर क्या विश्वास किया जा सकता है? केंद्र सरकार के पर्यावरण मंत्रालय ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि ग्रेट निकोबार द्वीप बुनियादी ढांचा परियोजना के लिए दी गई मंजूरी ने द्वीप तटीय विनियम क्षेत्र अधिसूचना, 2019 का उल्लंघन नहीं किया है। इसमें यह भी कहा गया कि परियोजना को दी गई पर्यावरणीय मंजूरी पर पुनर्विचार करने के लिए एनजीटी के आदेशों का पालन किया गया है। सरकार के इस स्पष्टीकरण के बाद ही जयराम रमेश ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को पत्र लिखा था।

रमेश ने कहा कि वह आश्चर्यचकित थे कि एनजीटी की ओर से लचीलापन देने के बावजूद एचपीसी ने किसी स्वतंत्र संस्थान या विशेषज्ञों के साथ बात नहीं की। एचपीसी में नीति आयोग के सदस्य परियोजना की कल्पना करने वाले लोग, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह एकीकृत विकास निगम जो परियोजना को लागू कर रहा था और पर्यावरण मंत्रालय जिसने मंजूरी दी थी शामिल थे।

जयराम रमेश ने कहा कि एचपीसी ने भी एनजीटी के निर्देशों को कमजोर कर दिया और परियोजना की मंजूरी के संबंध में मुद्दों का कोई सार्थक और व्यापक पुनर्मूल्यांकन नहीं किया। इसके अलावा, उन्होंने मंत्रालय के एचपीसी की रिपोर्ट को गुप्त रखने के तर्क पर भी सवाल उठाया। रमेश ने कहा कि मैं इसे नहीं समझता, जब मंजूरी देने की मूल प्रक्रिया को ही अधिकार प्राप्त और गोपनीय के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया था, तो कैसे एक समीक्षा जो भी त्रुटिपूर्ण हो और वह भी अदालत ने अनिवार्य की हो, इस प्रकार वर्गीकृत की जा सकती है।

महाराष्ट्र में 26 नवंबर के पहले होंगे विधानसभा चुनाव

- त्योहारों को ध्यान में रखकर होगा तारीखों का ऐलान

मुंबई(ईएमएस)। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने शनिवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है। इसके पहले चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। तारीखों का ऐलान अगले महीने होने की उम्मीद है। राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एस एस संधू दो दिन के महाराष्ट्र दौरे पर हैं। उन्होंने यहां विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन ऑफिसर, सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस, समेत अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। इसके अलावा उन्होंने शिवसेना, शिवसेना यूबीटी, भाजपा, एनसीपी, एनसीपी(एसपी), मनसे, बसपा, आप समेत 11 पार्टियों से मुलाकात की। सभी पार्टियों ने मांग की है कि दिवाली, देव दिवाली और छठ पूजा जैसे त्योहारों को ध्यान में रखकर चुनाव की तारीखों का ऐलान किया जाए।

महाराष्ट्र में कुल 288 विधानसभा क्षेत्र हैं, जिनमें से 25 अनुसूचित जनजाति के लिए और 29 अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है, इसलिए चुनाव इससे पहले पूरे करने होंगे। राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या 9.59 करोड़ है, जिसमें पुरुष मतदाता 4.59 करोड़ और महिला मतदाता 4.64 करोड़ हैं। पहली बार वोट देने वाले, विशेष रूप से 18-19 वर्ष के युवा मतदाताओं की संख्या लगभग 19.48 लाख है। हमने महाराष्ट्र सरकार से उन अधिकारियों का तबादला करने का अनुरोध किया है, जो अपने गृह जिले या मौजूदा पोस्टिंग में 3 साल से अधिक समय से सेवा दे रहे हैं। यह वोटर्स का अधिकार है कि उन्हें पता हो कि किस कैंडिडेट का क्रिमिनल बैकग्राउंड है। पार्टियों को अपने कैंडिडेट के बारे में ये जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए।

पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश भी हिंदुस्तान में हो शामिलः रिजवी

- पीएम मोदी व योगी मिलकर कर सकते हैं अखंड भारत का सपना पूरा

बरेली,(ईएमएस)। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रिजवी बरेलवी ने एक वीडियो संदेश जारी किया है। इसमें उन्होंने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के उस बयान का समर्थन किया जो उन्होंने पीओके को लेकर कही थी। मौलाना शहाबुद्दीन ने कहा कि जम्मू कश्मीर में इस वक्त चुनाव चल रहे हैं। इसी के मद्देनजर सीएम योगी ने जम्मू कश्मीर का दौरा किया और वहां भाषण दिया। सीएम योगी ने अपने भाषण में कहा था कि सिंध के बगैर हिन्द मुकम्मल नहीं और चुनाव जीतने के बाद कश्मीर, जो पाकिस्तान के नियंत्रण में है, उसे हिंदुस्तान में शामिल किया जाएगा।

सीएम योगी के बयान पर मौलाना शहाबुद्दीन ने कहा कि सिंध वह हिस्सा है, जो कल तक हमारे हिंदुस्तान का था और 1947 के बाद यह हिस्सा पाकिस्तान में चला गया। हम तो अखंड भारत की बात करते हैं, अखंड भारत होना चाहिए। बात सिर्फ पीओके की नहीं है, पूरा पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश हमारे हिंदुस्तान का हिस्सा है। यह कल हिंदुस्तान का हिस्सा था तो आज हिंदुस्तान का हिस्सा हो सकता है।

मौलाना रिजवी ने कहा कि यह बात बिल्कुल सही है कि पीओके ही नहीं पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश को भी हिंदुस्तान में शामिल कर लेना चाहिए ताकि हमारा अखंड भारत का सपना जल्द पूरा हो। आज का माहौल बहुत अच्छा है। केंद्र में और हमारे राज्य में बीजेपी की सरकार है।

उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी हैं, यूपी में योगी आदित्यनाथ हैं। ये दोनों मिलकर अखंड भारत का सपना पूरा कर सकते हैं। अगर ये दोनों मिलकर कोशिश करें, तो इंशाअल्लाह, यह वक्त दूर नहीं जब भारतीय मुसलमानों और हिंदू भाइयों का सपना, जो अखंड भारत का है, साकार हो सकता है। इस पर काम किया जाना चाहिए। बता दें कि गुरुवार को जम्मू कश्मीर में एक चुनावी सभी में सीएम योगी ने कहा था कि पीओके जल्द ही भारत का हिस्सा बनने वाला है।

जन हितैषी

हरियाणा विधानसभा चुनाव में सच और झूठ की लड़ाई?

हरियाणा विधानसभा चुनाव का प्रचार चरम स्तर पर पहुंच गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को हरियाणा के चुनाव प्रचार के लिए कार्यकर्ताओं के साथ ऑनलाइन संवाद किया। इस संवाद पर उन्होंने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा, कांग्रेस का आधार सिर्फ झूठ बोलने का है। कांग्रेस बड़े-बड़े झूठे दावे कर रही है। कांग्रेस के झूठे दावे का करंट कमजोर हो चुका है। मोदी ने कांग्रेस के ऊपर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए कहा, कांग्रेस अधिकतर समय गुटबाजी और कांग्रेस नेताओं का हिसाब चुकता करने में बीतता है। कांग्रेस जनता के मुद्दों से दूर हो गईं है। हरियाणा की जनता को कांग्रेस के झूठ पर विश्वास नहीं है। हरियाणा में कांग्रेस यदि धोखे से जीत भी गई, तो यहां गांधी परिवार और उनके जीजा का राज होगा। मोदी जी ने कहा कांग्रेस की आंतरिक कलह से हरियाणा का बच्चा-बच्चा परिचित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को झूठी पार्टी बताते हुए, भाजपा कार्यकर्ताओं से हरियाणा विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस के खिलाफ युद्ध करने का शंखनाद किया है। हरियाणा के विधानसभा चुनाव में झूठ को लेकर कांग्रेस और भाजपा एक दूसरे के ऊपर आरोप प्रत्यारोप कर रहे हैंउससे ऐसा लगता है, महाभारत की युद्ध भूमि में एक बार फिर से धर्म और अधर्म अर्थात झूठ और सच की लड़ाई लड़ी जा रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हरियाणा विधानसभा के चुनाव प्रचार में पहली बार पहुंचे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक-एक झूठ पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा, नरेंद्र मोदी भारत में चीन का माल बेचना चाहते हैं। भारत में माल नहीं बनाना चाहते हैं। जिसके कारण हरियाणा के युवाओं को ना तो नौकरी मिल रही है, नाही रोजगार मिल रहा है। चीनी कंपनियों की लिस्ट देखिए,भारत में उनका पार्टनर कौन है। नरेंद्र मोदी झूठ की मार्केटिंग पिछले कई वर्षों से कर रहे हैं। हरियाणा के युवा चोरी-छिपे भाग कर अवैध रूप से लाखों रुपए खर्च करके विदेश जा रहे हैं। बच्चे अपने माता-पिता से मिलने विदेश में चीख और चिल्ला रहे हैं। हरियाणा में कोई जॉब नहीं है। उन्होंने कहा मैं झूठ नहीं बोलता हूं। झूठ बोलना मोदी जी का काम है।10 साल से हरियाणा में भाजपा की सरकार है। इन्होंने कितना झूठ बोला है, यह हरियाणा की जनता को पता है। राहुल ने कहा कि हम कल जम्मू कश्मीर गए थे। वहां के सेव का व्यापार पूरी तरह से ढप्प हो गया है।कश्मीर के सेव का व्यापार अदाणी को मोदी जी ने दे दिया है। हरियाणा में नशे की गंगा बह रही है। हरियाणा के युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। नौकरी नहीं मिल रही है। गुजरात के अदानी पोर्ट से हजारों किलो ड्रग्स भारत में बेचा जा रहा है। हरियाणा के युवा नशे के शिकार हो रहे हैं। राहुल गांधी ने 2013 से 2024 के बीच में बोले गए मोदी जी और भाजपा के झूठ की गिनती कराते हुए, राहुल ने अपने आप को सच बोलने वाला बताया। राहुल गांधी ने मोदी जी को झूठ बोलने वाला नेता बताया। हरियाणा के चुनावी मैदान में सच और झूठ की यह लड़ाई मतदाताओं के सहारे, कांग्रेस और भाजपा द्वारा लड़ी जा रही है। जिस तरह से एक दूसरे के ऊपर झूठ बोलने के आरोप दोनों ही पक्षो द्वारा एक दूसरे के ऊपर लगाए जा रहे हैं। उससे कौरव-पांडवों के बीच हुए युद्ध की यादें ताजा हो जा रही हैं। धर्म और अधर्म की लड़ाई, कौरव और पांडवों के बीच में महाभारत का युद्ध लड़ा गया था। ठीक वैसे ही हरियाणा विधानसभा चुनाव का युद्ध कुरुक्षेत्र की भूमि में होता हुआ दिख रहा है। हरियाणा के चुनाव में कौन सच्चा है, कौन झूठा है। इसका फैसला चुनाव परिणाम आने के बाद ही पता चलेगा। राहुल गांधी ने अपने आप को युद्धिष्ठर के रूप में पहचान बनाने की कोशिश की है। हरियाणा की जनता ने पिछले 10 सालों में डबल इंजन की सरकारों का सच और झूठ दोनों का अनुभव किया है। कांग्रेस ने पिछले 10 सालों में क्या किया है। यह भी हरियाणा जनता ने देखा है। चुनाव परिणाम ही हरियाणा के झूठ और सच का फैसला करेंगे। हरियाणा के चुनाव में दोनों ही पार्टियों की विश्वसनीयता को लेकर जनता के मन में क्या है। चुनाव परिणाम के बाद पता लग जाएगा कौन झूठा और कौन सच्चा है।

आदिवासीयों को मुख्यधारा में जोड़ने की कोशिश

आदिवासी शब्द दो शब्दों आदि और वासी से मिल कर निर्मित है और इसका अर्थ है जो आदि काल से वास कर रहा हो अर्थात मूल निवासी।भारत में जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा आदिवासियों का है। लोगों का ध्यान आकर्षित करने और मनोरंजन के लिए ही लोग आदिवासी समाज और सुसंस्कृति की ओर जाते रहे हैं। नतीजा हमारे सामने है उनके जीवन और रीति- रिवाजों के बारे में सनसनीखेज ब्योरे तो खूब मिलते हैं, पर उनके पारिवारिक जीवन की मानवीय व्यथा नहीं। उनके अलौकिक विश्वास, जादू टोने और विलक्षण अनुष्ठानों का आँखों देखा हाल तो मिलता है, पर उनकी जिंदगी के हर सिम्त हाड़तोड़ संघर्ष की बहुरूपी और प्रामाणिक तस्वीर नहीं मिलते हैं। वे आज भी आदमी की अलग नस्ल के रूप में पेश किए जाते हैं। पुरातन संस्कृत ग्रंथों में आदिवासियों को अत्विका और वनवासी भी कहा गया है। संविधान में आदिवासियों के लिए अनुसूचित जनजाति पद का उपयोग किया गया है। भारत के प्रमुख आदिवासी समुदायों में संथाल,गोंड, मुंडा, हो, बोडो, भील, खासी, सहरिया, गरासिया, मीणा, उरांव, बिरहोर आदि हैं। महात्मा गांधी ने आदिवासियों को गिरिजन (पहाड़ पर रहने वाले लोग) कह कर संबोधित किया था। इस पर वामपंथी मानवविज्ञानियों ने प्रश्न उठाया था कि क्या ये मैदान में रहने वालों को मैदानी कहा जाता है। आदिवासी को दक्षिणपंथी लोग वनवासी या जंगली कहकर पुकारते हैं। इस तरह के नामों के पीछे बुनियादी रूप से यह धारणा काम कर रही होती है कि आदिवासी जंगल में वास करते हैं। वे देश के मूल निवासी हैं या नहीं तथा आर्य यहीं के मूल निवासी हैं या बाहर से आए हैं। भारत के मूलनिवासी कौन हैं, ये तमाम प्रश्न अभी भी भारतीय मानव विज्ञान में उलझा हुआ है। आमतौर पर आदिवासियों को भारत मे जनजातीय लोगों के रूप मे जाना जाता है। आदिवासी मुख्य रूप से भारतीय राज्यों उड़ीसा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल मे अल्पसंख्यक है जबकि भारतीय पूर्वोत्तर राज्यों में यह बहुसंख्यक हैं, जैसे मिजोरम। भारत सरकार ने इन्हें भारत के संविधान की पांचवी अनुसूची में अनुसूचित जनजातियों के रूप में मान्यता दी है। अक्सर इन्हें अनुसूचित जातियों के साथ एक ही श्रेणी में रखा जाता है जो कुछ सकारात्मक कार्रवाई के उपायों के लिए पात्र है। आदिवासी के अपने जनजातीय संप्रदाय हैं, जो इस्लाम या वैदिक हिंदू धर्म से अलग हैं पर तांत्रिक शैव के अधिक करीब हैं। 19 वीं सदी के दौरान ईसाई मिशनरियों द्वारा इनकी एक बड़ी संख्या का परिवर्तन कराकर ईसाई बना दिया गया। माना जाता है कि हिंदुओं के देव भगवान शिव भी मूल रूप से एक आदिवासी देवता थे लेकिन आर्यों ने भी उन्हें देवता के रूप मे स्वीकार कर लिया। जब सदानी जातियों की मूल जाति नागवंशियों ने छोटानागपुर में राज्य बनाया था। खुखर राज्य के पहले राजा नागवंशी फणीमुकुट राय थे जिन्होंने मुंडाओं के सहयोग से राज्य की स्थापना की थी। नाग जाति के बारे में अभी तक पर्याप्त शोध नहीं हुए हैं किन्तु डॉ. अम्बेडकर तथा कई अन्य विद्वानों ने जो प्रमाण और साक्ष्य जुटाए हैं वे नाग जाति के इतिहास के अस्तित्व को स्पष्ट स्थापित करते हैं। नाग जाति बहुत सुसंस्कृत, बहादुर और शांतिप्रिय जाति रही हैं इस जाति ने गौतम बुद्ध के नेतृत्व में सैकड़ों वर्षों तक ब्राह्मण धर्म के जातिभेद और छुआ द छूत के खिलाफ संघर्ष किया था। हिन्दुओं ने अपने बहुत से पर्व व त्योहार इस जाति के संस्कृति से लिए हैं प्रसिद्ध राजा शशांक इसी नाग जाति के थे। आदिवासियों का जिक्र रामायण में भी मिलता है, जिसमें राजा गोहु और उनकी प्रजा चित्रकूट में श्रीराम की सहायता करती है। आधुनिक युग में एक आदिवासी बिरसा मुंडा, एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ एक धार्मिक नेता भी थे। रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि भी एक भील आदिवासी थे। बहुत से छोटे आदिवासी समूह आधुनिकीकरण के कारण हो रहे पारिस्थिति की पतन के प्रति काफी संवेदनशील हैं। व्यवसायिक वानिकी और गहन कृषि दोनों ही उन जंगलों के लिए विनाशकारी साबित हुए हैं जो कई शताब्दियों से आदिवासियों के जीवन यापन का स्रोत रहे थे। आदिवासियों के विशेषज्ञ जे. जे. राय बर्मन के अनुसार आदिवासियों में सभी जातियां मूल आदिवासी जाति की केटेगरी में नहीं आतीं, इसी तरह मूल आदिवासियों में अनेक जनजातियां बाहर से आयी हैं। आज इन जनजातियों के लोग जहां रहते हैं वहां वे मूल रूप से नहीं रहते थे। मसलन मणिपुर के कूकी आदिवासी, मिजोरम के लूसिया जनजाति के लोग मूलतः दक्षिण चीन और चिन पर्वत के निवासी हैं। ये लोग कुछ सौ साल पहले ही स्थानान्तरित होकर भारत में आए हैं। कूकी को ब्रिटिश शासकों ने नागा बहुल इलाकों में बसाया था। जिससे नागा और वैष्णवपंथी मैइती जनजाति के बीच में बफर जॉन पैदा किया जाए। लूसी जनजाति से सैलो का संबंध है इसके मुखिया को ब्रिटिश शासकों ने ठेकेदार के रूप में बढ़ावा दिया जिससे वह मिजोरम में सड़कें बनाए। इस तरह अन्य जगह से लाकर बसाए गए आदिवासियों की बस्तियों का दायरा धीरे-धीरे त्रिपुरा तक फैल गया। जिसे इन दिनों तुइकुक के नाम से जानते हैं। यहां त्रिपुरा के राजा की नीति थी एउसने अपने राज्य में रियांग और चकमा जनजाति के लोगों को बाहर से लाकर बसाया। जिससे कॉटन मिलों के लिए झूम की खेती के जरिए कॉटन का अबाधित प्रवाह बनाए रखा जा सके। बोडो जनजाति के लोग मूलतः भूटान के हैं और बाद में वे असम में आकर बस गए। टोटोपारा इलाके के टोटो जनजाति के लोग भूटान से आकर उत्तर बंगाल की सीमा पर आकर बस गए। इनमें अनेक ऐसी जनजातियां भी हैं जो एक जमाने में अपराधी जाति के रूप में ही जानी जाती थीं उन्हें भूटान के राजा ने अपने राज्य से निष्कासित कर दिया था। मेघालय में रहने वाली खासी जनजाति के लोग मूलतः कम्पूचिया के हैं और माइग्रेट होकर कुछ सौ वर्ष पहले ही मेघालय में आकर बसे हैं। ये खमेर जनजाति का अंग हैं। देंजोंग भूटिया जनजाति जो सिक्किम की वफादार जनजाति है, वह तिब्बत से आकर बसे हैं। इसी तरह पश्चिम बंगाल के वीरभूम और मिदनापुर जिले से माइग्रेट करके संथाल जनजाति के लोग झारखण्ड के संथाल परगना में जाकर बस गए हैं। ये ऐतिहासिक तथ्य हैं। लेकिन इस ऐतिहासिक तथ्य से मनुष्य कहलाने का अधिकार नहीं छीन जाता। जब तक जंगल तथाकथित सभी लोगों को डराता रहा तब तक उसमे निवास करने वाले आदिवासी सुरक्षित थे। प्रकृति की गोद में अलमस्त सी जिन्दगी से इन्हें कोई शिकवा शिकायत भी नहीं थी। लेकिन पैसे की भूख तथाकथित सभ्य मानव को जंगल तक खींच लाई और आदिवासी जंगल से बेदखल किये जाने लगे। सरकार के पास इनके पुनर्वास की कोई योजना नहीं है। अपने जल-जंगल-जमीन से बेदखल महानगरों में शोषित-उपेक्षित आदिवासी किस आधार पर इसे अपना देश कहें बाजार और सत्ता के गठजोड़ ने आदिवासियों के सामने अस्तित्व की चुनौती खड़ी कर दी है। जो लोग आदिवासी इलाकों में बच गए ,वे सरकार और उग्र वामपंथ की दोहरी हिंसा में फंसे हैं। अन्यत्र बसे आदिवासियों की स्थिति बिना जड़ के पेड़ जैसी हो गई है। नदियों, पहाड़ों, जंगलों, आदिवासी पड़ोस के बिना उनकी भाषा और संस्कृति, और उससे निर्मित होने वाली पहचान ही कहीं खोती जा रही है। आदिवासी अस्मिता और अस्तित्व के लिए इतना गहरा संकट इससे पहले नहीं पैदा हुआ। जब सवाल अस्तित्व का हो तो प्रतिरोध भी स्वाभाविक है। इस प्रतिरोध को भुनाने की कोशिश नक्सलवाद के रूप में नजर आती है। इन्हें सर्वप्रथम यही नहीं मालूम कि नक्सल पंथ है क्या भोले-भाले आदिवासी सरकार और नक्सलवादी दोनों ओर से पिस रहे हैं। आज जरुरत है एक मानवीय सोच की,या तो इन्हें इनका इलाका फिर से वापस मिल जाए ताकि तथाकथित सभ्य समाज के प्रपंचो से दूर ये अपनी संस्कृति के मौलिक स्वरूप के साथ जीवन यापन कर सके या फिर समाज के मुख्यधारा में जोड़ने की कोशिश हो ताकि शहरों में आकर ये जंगली ना कहलायें। (लेखक- संजय गोस्वामी/ ईएमएस)

हैदराबाद का विलयः मुक्ति या राजतंत्र से लोकतंत्र की ओर यात्रा?

सत्रह सितंबर 1948 को हैदराबाद रियासत का भारत में विलय हुआ। हालांकि हैदराबाद को भारत का हिस्सा बनाने की कार्यवाही को पुलिस एक्शन कहा जाता है लेकिन वास्तव में यह काम भारतीय सेना ने किया था। इसे आपरेशन पोलो का नाम दिया गया था और इसे जनरल चौधरी के नेतृत्व में अंजाम दिया गया। इसकी याद में भाजपा इस दिन को हैदराबाद मुक्ति दिवस के नाम से मनाती है, वहीं कांग्रेस के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार इसे प्रजा पालन दिवस (लोकतंत्र के आगाज़ के दिन) के रूप में याद करती है। भाजपा नेता किशन रेड्डी ने कहा है कि इसे हैदराबाद मुक्ति दिवस के रूप में न मनाना उन लोगों का अपमान है जिन्होंने सैन्य कार्यवाही के जरिए हुए हैदरबाद के विलय के संघर्ष में अपने जीवन का बलिदान दिया था।

कुछ अन्य लोग कहते हैं कि नेहरू और पटेल के इस्लामोफोबिया के चलते हैदराबाद को बलपूर्वक भारत में शामिल किया गया। इनमें से अधिकांश बातें या तो एकपक्षीय हैं या पूर्वाग्रहपूर्ण हैं। क्या एक मुस्लिम शासक वाली रियासत को मुस्लिम राज्य (हैदराबाद) कहना उचित है, जबकि वहां हिंदुओं का बहुमत था। इसी तरह, क्या मुस्लिम-बहुल और हिंदू शासक वाले राज्य (कश्मीर) को हिंदू रियासत कहना ठीक होगा?

हालांकि कई अध्येता हैदराबाद और कश्मीर के भारत के विलय को धार्मिक नज़रिए से देखते हैं। लेकिन इसकी मुख्य वजहों में से एक थी भौगोलिक और दूसरी थी राजशाही से लोकतंत्र की ओर यात्रा। कश्मीर में यह किस हद तक हासिल किया जा सका, यह शंकास्पद है क्योंकि इस इलाके में पड़ोसी पाकिस्तान की दखलअंदाजी एक बड़ा मुद्दा है। पाकिस्तान एक मुस्लिम राष्ट्र बनाना चाहता था और मानता था कि मुस्लिम-बहुल होने के कारण कश्मीर का विलय जिन्ना के 'द्विराष्ट्र सिद्धांत' के अनुरूप पाकिस्तान में होना चाहिए। द्विराष्ट्र सिद्धांत के प्रतिपादक सावरकर थे।

तो फिर आखिर क्यों नेहरू ने कश्मीर को भारत में शामिल करवाने में रूचि दिखाई? क्या इसके पीछे सिर्फ भौगोलिक विस्तारवाद था या इसका उद्देश्य सामंतवाद और राजशाही के खिलाफ वहां चल रहे लोकतांत्रिक आंदोलन का समर्थन करना था? शेख अब्दुल्ला ने अपने लोकतांत्रिक नजरिए के चलते अपनी मुस्लिम कान्फ्रेंस का नाम बदलकर नेशनल कान्फ्रेंस किया। वे धर्मनिरपेक्षता के पैरोकार थे और गाँधी और नेहरु के धर्मनिरपेक्ष-लोकतान्त्रिक मूल्यों के समर्थक थे। पाकिस्तानी सेना के आक्रमण, जिसे कबायलियों का हमला बताया गया, को पर्दे के पीछे से अमरीका और ब्रिटेन द्वारा शह दिए जाने से समस्या और जटिल हो गई।

इसके अलावा सार्वभौमिकता का मसला भी था। राजा-नवाब और कई अन्य लोग भी रियासतों पर उनके शासकों के धर्म के आधार पर लेबल चस्पा करते थे। भारतीय राष्ट्रवादी मानते थे कि सार्वभौमिकता जनता में निहित होती है न कि शासकों में। हैदराबाद के भारतीय संघ में विलय के जटिल मसले को इसी पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए।

भारत के स्वतंत्र होने पर उस समय मौजूद 600 से अधिक रियासतों को विकल्प दिया गया था कि वे या तो अपनी रियासत का भारत या पाकिस्तान में विलय कर लें, या फिर स्वतंत्र रहें। अंग्रेजी राज में इन रियासतों को कुछ हद तक स्वायत्ता हासिल थी, लेकिन अब उनके सामने असमंजस की स्थिति थी। उनमें से अधिकतरहे शासक आजाद बने रहना चाहते थे। लार्ड माउंटबेटन ने उन्हें सलाह दी कि उन्हें अपनी रियासत का उस देश में विलय करना चाहिए जो भौगोलिक दृष्टि से उनकी रियासत के निकट हो। ज्यादातर रियासतों का विलय, सरदार पटेल की निगरानी में किआ जा रहा था और माउंटबेटन ने रियासतों के राजाओं-नवाबों को रक्षा, संचार और विदेशी मामलों को छोड़कर ज्यादातर अन्य मामलों में अपेक्षाकृत अधिक स्वायत्ता देने का वायदा किया था। इसके बदले में उन्हें यह आश्वासन दिया गया था कि वे उनकी अकूत संपत्ति और धन के स्वामी बने रहेंगे। अंततः अधिकांश रियासतों ने भारत का हिस्सा बनने का फैसला किया। त्रावणकोर के हिंदू शासक भी काफी हिचकिचाहट के बाद भारत का हिस्सा बनने के लिए राजी हुए। कश्मीर के राजा हरिसिंह ने अपनी रियासत का भारत में विलय करने से इंकार कर दिया और हैदराबाद के निजाम भी इसके लिए राजी नहीं हुए।

जैसा कि ऊपर बताया गया है, भारतीय नेता मानते थे कि सार्वभौमिकता राजाओं में नहीं वरन् जनता में निहित है। इन राजाओं में से अधिकांश अंग्रेजों के प्रति वफादार थे और काफी ऐशोआराम की जिंदगी बसर कर रहे थे। जूनागढ़ को सैन्य कार्यवाही के माध्यम से भारत में शामिल किया गया और इसके बाद हुए जनमत संग्रह में जनता ने इस निर्णय की पुष्टि की। हैदरबाद के निजाम के पास प्रचुर संपदा थी और वे या तो स्वतंत्र रहना चाहते थे या अपनी रियासत का पाकिस्तान में विलय करना चाहते थे। पाकिस्तान में विलय के इरादे की वजह धार्मिक न होकर यह थी कि मोहम्मद अली जिन्ना ने उनके अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी न करने का वायदा किया था।

भारत कई कारणों से हैदराबाद का भारत में विलय करवाने का इच्छुक था। लेकिन इस्लामोफोबिया इसका कारण नहीं था। इसका सबसे प्रमुख कारण था हैदराबाद रियासत की भौगोलिक स्थिति, जो भारत के लगभग मध्य में था।। चारों ओर से भारत से घिरा एक स्वतंत्र देश या एक ऐसा राज्य जो पाकिस्तान का हिस्सा होता, एक स्थायी समस्या बन जाता। नेहरू-पटेल की नजरों में भी यही बात सबसे महत्वपूर्ण थी। निजाम के साथ नवंबर 1947 में एक स्टैंडस्टिल (यथास्थिति) समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जो अंतिम निर्णय होने तक प्रभावी रहता। विचार यह था कि इस समय का उपयोग हैदराबाद के प्रशासन का लोकतांत्रिकरण करने में किया जाए ताकि समझौता वार्ताएं करने में आसानी हो। निजाम ने इस समय का उपयोग रजाकार नामक एक अनियमित सैन्यबल में नई भर्तियाँ कर अपनी सैन्य शक्ति में वृद्धि करने में किया, जिसका नेतृत्व अरब मूल के मेजर जनरल एसएए ईएल एड्रोस के हाथ में था जो हैदराबाद राज्य के सैन्यबल के कमांडर इन चीफ थे।

इस बीच कांग्रेस ने राज्य के प्रशासन के लोकतात्रीकरण की मांग करते हुए सत्याग्रह प्रारंभ कर दिया। करीब 20,000 सत्याग्रहियों को जेलों में ठूंस दिया गया। राज्य की प्रताड़ना और रजाकारों के अत्याचारों से बचने के लिए कई लोग रियासत छोड़कर भाग गए। कम्युनिस्टों ने भी खेतिहर भूमि के पुनर्वितरण और ज़मींदारों के खिलाफ व रजाकारों के अत्याचारों से जनता की रक्षा करने के लिए दलम् (समूहों) का गठन किया। निजाम समझौता वार्ताओं को लंबा खींचने का प्रयास कर रहे थे और रजाकारों के जुल्म बढ़ते जा रहे थे। निजाम विरोधी संघर्ष को रियासत के कुछ मुसलमानों का और सारे देश के बहुत से मुसलमानों का समर्थन हासिल था।

पटेल ने सुहारवर्दी को लिखा, ''हैदराबाद के सवाल पर भारतीय मुसलमान खुलकर हमारा साथ दे रहे हैं और इसका देश में अच्छा असर हो रहा है''। इस पृष्ठभूमि में सैन्य कार्यवाही प्रारंभ की गई, जिसमें, एक रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 40,000 लोगों ने अपनी जान गंवाई।

हम इतिहास के वे हिस्से चुन सकते हैं जो हमारी मर्जी का नैरेटिव निर्मित करने में सहायक हो। कई अध्येताओं के नैरेटिव धर्म-केन्द्रित है और वे यह साबित करना चाहते हैं कि हैदराबाद का विलय भारतीय नेतृत्व के इस्लामोफोबिया का नतीजा था। इस पूरे मामले के मुख्य पहलुओं पर विचार करते समय सारी जटिलताओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। पहला पहलू है भौगोलिक कारण, जो भविष्य की समस्याओं से बचने की दृष्टि से महत्वपूर्ण था। और दूसरा है लोकतांत्रीकरण और जमींदारी प्रथा के खिलाफ कम्युनिस्टों द्वारा गठित स्थानीय दलम। इस मसले पर नेहरू और पटेल की एकपक्षीय और पक्षपातपूर्ण आलोचना के पीछे उनकी छवि बिगड़ने की कोशिश है। (लेखक – राम पुनियानी/ईएमएस) (अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया। लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं)

अब अदालत में लहसुन की सुनवाई

मुझे आज लेबनान पर हो रहे हमलों पर लिखना था ,लेकिन लिख रहा हूँ लहसुन के बारे मे। हमारे देश की अदालतें इतनी दरियादिल हैं कि वे एक और यदि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की नागरिकता के मामले की सुनवाई करतीं हैं तो दूसरी तरफ लहसुन पर आयी याचिका की सुनवाई भी करतीं हैं और वो भी चीनी लहसुन के मामले की।

लहसुन को हमारे यहाँ लशुन भी कहते है। लहसुन हालाँकि प्याज जाति का कंद है किन्तु प्याज की गाँठ होती है और लहसुन की कलियाँ। अदालत में विवाद उस लहसुन का है जो हमारा नहीं बल्कि चीन का है ,और चीनी लहसुन पर भारत सरकार ने रोक लगा रखी है ,फिर भी चीन का लहसुन भारतीय बाजारों में इफरात में बिक रहा हैमामला दिलचस्प है इसलिए मैंने दूसरे तमाम विषयों को तिलांजलि देकर लहसुन पर लिखा शुरू कर दिया।

प्रतिबंध के बावजूद चीन के खतरनाक लहसुन के धड़ल्ले से देश में आने पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने खाद्य सुरक्षा आयुक्त और कलेक्टर को कार्रवाई करने का आदेश दिया है। फरियादी की ओर से पेश किए गए चीन के लहसुन को प्रदेश के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के पेश हुए अफसर से सील करवा दिया। अदालत ने 15 दिन में इसकी जांच रिपोर्ट मांगी हैइलाहबाद का हाईकोर्ट सचमुच सम्वेदनशील है। हर मामले में संवेदनशील है । राहुल गाँधी की नागरिकता के मामले में भी और चीनी लहसुन की बिक्री के मामले में भी। आपको ये जानकर हैरानी होगी की इलाहबाद हाईकोर्ट में लंबित मामलों की संख्या 10.74 लाख है। देश में 25 हाईकोर्ट में से इलाहाबाद हाईकोर्ट इस मामले में सबसे आगे है। ये राष्ट्रीय न्यायिक डाटा ग्रिड (एनजेडीजी) के आंकड़े हैं।

बहरहाल लहसुन पर लौटते है। इलाहबाद हाईकोर्ट ने कहा कि खाद्य सुरक्षा आयुक्त और लखनऊ के डीएम हेल्पलाइन नंबर जारी करें, जिससे लोग चीन के लहसुन की बिक्री की शिकायत उस पर दर्ज करवा सकें। कोर्ट ने इस नंबर पर मिलने वाली शिकायतों पर सख्त करवाई करने के निर्देश दिए हैंन्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ल की खंडपीठ ने यह आदेश स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव की जनहित याचिका पर दिया। मोतीलाल ने खतरनाक चीनी लहसुन की बिक्री की प्रकाशित खबरों को याचिका के साथ लगाकर इसपर सख्त प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया था। फरियादी का कहना है की देश में 2014 से ही इस लहसुन की बिक्री प्रतिबंधित है, इसके बावजूद बाजारों में यह खुलेआम बिक रहा है।

लहसुन भले ही हमारे यहां औषधीय माना जाता है लेकिन कुछ लोग हैं जो इसे हाथ भी नहीं लगाते ,उनके लिए लहसुन अस्पृश्य है । हमारे वैद्य जी कहते हैं कि लहसुन में रासायनिक तौर पर गन्धक की आधिक्य होती है। इसे पीसने पर ऐलिसिन नामक यौगिक प्राप्त होता है जो प्रतिजैविक विशेषताओं से भरा होता है। इसके अलावा इसमें प्रोटीन, एन्ज़ाइम तथा विटामिन बी, सैपोनिन, फ्लैवोनॉइड आदि पदार्थ पाए जाते हैं।अक्सर लहसुन खली पेट खाने की सलाह दी जाती है। लहसुन को लेकर कहावते उतनी नहीं हैं जितनी प्याज को लेकर है। प्याज को काटा जाता है ,लहसुन को छीला जाता है । लहसुन की पैकेजिंग प्रकृति ने मक्के के भुट्टे की तरह बहुत आकर्षक तरीके से की है। जाहिर है कि ये विशेष कंद है अन्यथा इसे धरती के भीतर आलू की तरह उगने के लिए न छोड़ दिया जाता ?

कहते हैं कि लहसुन एक दक्षिण यूरोप में उगाई जाने वाली प्रसिद्ध फसल है। भारत में लहसुन की खेती को ज्यादातर राज्यों में की जाती है लेकिन इसकी मुख्य रूप से खेती गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और तमिलनाडु में की जाती है। इसका 50 प्रतिशत से भी ज्यादा उत्पादन गुजरात और मध्यप्रदेश राज्यों में किया जाता है। हमारे यहां एग्रीफाउंड वाइट (जी. 41), यमुना वाइट (जी.1), यमुना वाइट (जी.50), जी.51 , जी.282 ,एग्रीफाउंड पार्वती (जी.313) और एच.जी.1 प्रजाति का लहसुन मिलता है ,लेकिन हमारे पड़ौसी देश चीन ने हमारे लहसुन के सामने अपना लहसुन खड़ा कर दिया।

आपको शायद पता हो या न हो लेकिन भारत में साल 2014 से ही प्रतिबंधित किया गया ,लेकिन चाइनीज लहसुन भारतीय मंडियों और खुदरा बाजार में धड़ल्ले से बेचा जा रहा है. जिस लहसुन को देसी समझकर आप अपने घर ले जा रहे हैं और दाल-सब्जी में तड़का मारकर खा रहे हैं, वह सिंथेटिक रूप से खतरनाक कैमिकल्स से बना फंगस वाला चाइनीज लहसुन हो सकता है। चीनी लहसुन का अवैध व्यापार एक लम्बे अरसे से जारी है। चीन अक्सर नेपाल और बांग्लादेश के रास्ते इसकी यहां डंपिंग करता है. इन दोनों ही देशों के साथ भारत लहसुन का डयूटी फ्री व्यापार करता है. भारत पहुंचने वाला चीनी लहसुन कई बैक्टीरिया और बीमारियों को साथ लेकर पहुंचता है. ये लोगों की सेहत पर असर डालता है। हाल में एक वायरल वीडियो में दावा किया गया है कि चीन में लहसुन 'सीवर के पानी' में पैदा होता है. इसे सफेद दिखाने के लिए आर्टिफिशियल तरीके से 'ब्लीच' किया जाता ह।

आपको शायद पता न हो लेकिन हकीकत ये है व भारत में करीब 32.7 लाख टन लहसुन का उत्पादन होता है. भारत में सबसे ज्यादा लहसुन का उतपादन मध्य प्रदेश में होता है। हालांकि चीन में उत्पादन गिरने के बावजूद वह दुनिया में नंबर-1 है । चीन में हर साल करीब 2 से 2.5 करोड़ टन लहसुन का उत्पादन होता है, चीन के मुकाबले भारत का लहसुन थोड़ा छोटे आकार का होता है। वहीं इसका रेट चीन के मुकाबले काफी कम है। चीनी लहसुन की ग्लोबल मार्केट में 1250 डॉलर प्रति टन कीमत है, तो वहीं भारतीय लहसुन 450 से 1000 डॉलर प्रति टन तक मिलता है। इसलिए भारत गरीब से लेकर अमीर देशों तक के हिसाब से लहसुन की क्वालिटी उपलब्ध करा पाता है। चीनी लहसुन की मांग अधिकतर अमेरिका और यूरोपीय देशों में है, जबकि भारत मलेशिया, थाईलैंड, नेपाल और वियतनाम को लहसुन का बड़े पैमाने पर निर्यात करता है ।

बावजूद इसके भारतीय चमकदार बगुलामुखी रंग की दीवानगी के फेर में पढ़कर चीनी लहसुन खरीद लाते हैं। दुर्भाग्य ये है कि जिस तरह हमारी सरकार चीनी घुसपैठ रोकने में नाकाम है उसी तरह लहसुन की घुसपैठ के मामले में भी नाकाम है । प्रतिबंध के बाद भी भारत में चीनी लहसुन की उपलब्धता इसका प्रमाण है । खुद प्रधानमंत्री के गृह राज्य गुजरात में चीनी लहसुन की घुसपैठ है । गुजरात के लहसुन उत्पादक इसके खिलाफ लामबंद भी हैं। अब जब चीनी लहसुन चुनावी मुद्दा बनेगा, तब शायद इस मामले को सरकार गंभीरता से ले। (लेखक-राकेश अचल/ईएमएस)

शब्द पहेली - 8143

बाएँ से दाएँ

1. आदत, स्वभाव-4
4. सुरक्षित-4
7. जरुरतमंद-5
9. भीगा हुआ-2
11. मक्का-मदीना की यात्रा-2
12. सोना, धतुरा-3
14. धक्का देना-4
15. खानाबदोश, बंजारा-4
16. अंधेरा, अंधकार-3
18. खामी, बुरी आदत-2
19. ईसाई साध्वी-2
21. नायक का विलोम-5
25. करिश्मा, करामात-4
26. महीन व मंहगे कपड़े का एक प्रकार -4

ऊपर से नीचे

1. अंग्रेज, विदेशी-3
2. लीन, मगन-2
3. पैंदा, तला-2
4. रिश्तेदार-2
5. थूक, लेस-2
6. तहजीब, सलीका-3
8. देह, काया-3
10. टोने-टोटकों वाली किताब-5
11. स्वदेशवासी -5
12. कपड़े की दीवार-3
13. अनुमान, आकलन-3
17. राजी करना-3
18. चश्मा-3
20. अनुकृति-3
21. पत्र, चिट्ठी-2
22. होठ, अधर-2
23. मृत्यु देवता, यमराज-2
24. बीता हुआ दिन-2

शब्द पहेली -8142 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

फीफा ने अर्जेंटीना के मार्टिनेज को दो मैचों के लिए निलंबित किया

ब्यूनस आयर्स (ईएमएस)। अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो डिबू मार्टिनेज को निष्पक्ष खेल के सिद्धांतों का उल्लंघन करने पर फीफा की अनुशासन समिति ने दो मैचों के लिए निलंबित किया है। मार्टिनेज अगले माह वेनेजुएला और बोलीविया के खिलाफ अर्जेंटीना के विश्व कप क्वालीफायर में नहीं खेल पाएंगे। मार्टिनेज ने इस माह की शुरुआत में चिली और कोलंबिया के खिलाफ कोपा अमेरिका मैचों के दौरान फीफा की आचार संहिता का उल्लंघन किया था। चिली के खिलाफ जीत के बाद, गोलकीपर को कोपा अमेरिका ट्रॉफी की प्रतिकृति को अपने ग्रोइन क्षेत्र में पकड़े हुए देखा गया, जो 2022 फीफा विश्व कप जीत के बाद उनके द्वारा किए गए जश्न की याद दिलाता है।

एस्टन विला स्टार को कोलंबिया से अर्जेंटीना की 2-1 की हार के बाद अपने कार्यों के लिए भी परिणाम भुगतने पड़े, जब उन्होंने अंतिम सीटी के बाद एक कैमरा ऑपरेटर के उपकरण को धक्का दिया था। अर्जेंटीना फुटबॉल महासंघ (एएफए) ने कहा कि फीफा द्वारा प्रतिबंधों की पुष्टि करने से पहले खिलाड़ी और संघ द्वारा बचाव प्रस्तुत किया गया था। एएफए ने कहा, मार्टिनेज को उनके आक्रामक व्यवहार और निष्पक्ष खेल के सिद्धांतों के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। इसमें कहा गया, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि अर्जेंटीना फुटबॉल संघ फीफा अनुशासन समिति द्वारा लिए गए निर्णय से पूरी तरह असहमत है।

ला एल्बिसेलेस्टे वर्तमान में आठ मैचों में 18 अंकों के साथ कॉनमेबोल विश्व कप क्वालीफाइंग स्टैंडिंग में शीर्ष पर है, जो दूसरे स्थान पर मौजूद कोलंबिया से दो अंकों की बढ़त बनाए हुए है। कॉनमेबोल की शीर्ष छह टीमें 2026 टूर्नामेंट के लिए सीधे क्वालीफिकेशन हासिल करेंगी, जबकि सातवें स्थान पर रहने वाली टीम प्रतियोगिता में जगह बनाने के लिए अंतर-संघ प्लेऑफ में प्रवेश करेगी।

चाइना ओपनः अल्काराज दूसरे दौर में, मेदवेदेव ने गाएल मोंफिल्स को हराया

बीजिंग (ईएमएस)। चार बार के प्रमुख चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने 21 वर्षीय जियोवानी एमपेटशी पेरीकार्ड को 6-4, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई, जबकि तीसरे वरीय दानिल मेदवेदेव ने चाइना ओपन के पुरुष वर्ग के पहले दौर में अनुभवी गाएल मोंफिल्स को 6-3, 6-4 से हराया। इस साल फ्रेंच ओपन और विंबलडन विजेता अल्काराज के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण मैच था, क्योंकि उन्हें एटीपी टूर पर सबसे बड़ी सर्विस करने वाले खिलाड़ियों में से एक पेरीकार्ड का सामना करना पड़ा क्योंकि उनके पास अपने नवीनतम अभियान से अभ्यस्त होने के लिए बहुत कम समय था।

हालांकि, शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने पेरीकार्ड की मारक क्षमता के साथ जल्दी से तालमेल बिठाया और पहले दौर की जीत में शानदार प्रदर्शन किया। अल्काराज ने प्रत्येक सेट के शुरुआती खेल में फ्रांसीसी खिलाड़ी की सर्विस को तोड़कर अपने 21 वर्षीय साथी खिलाड़ी को हराया।

अल्काराज ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तब यह आसान नहीं था। वह वास्तव में एक शक्तिशाली खिलाड़ी है। बड़ी सर्विस, बेसलाइन से बड़े शॉट। इसकारण मुझे वास्तव में ध्यान केंद्रित करना था। यही योजना थी। बहुत अधिक गलतियाँ न करने और बेसलाइन से आक्रामक तरीके से खेलने की कोशिश करें।

अल्काराज ने ल्योन चैंपियन पेरीकार्ड के साथ अपने पहले लेक्सस एटीपी हेड2हेड मुकाबले में अर्जित दोनों ब्रेक पॉइंट को भुनाया। हालांकि, इंफोसिस एटीपी स्टैट्स के अनुसार, फ्रांसीसी खिलाड़ी ने अपनी पहली डिलीवरी के पीछे 83 प्रतिशत (20/24)अंक जीतकर मैच समाप्त किया, लेकिन प्रत्येक सेट की शुरुआत में चूक के कारण उनकी जीत की उम्मीद कमजारे पड़ गई।

सप्ताह की शुरुआत में निट्टो एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने वाले स्पेन के इस खिलाड़ी का दूसरे दौर में टैलोन ग्रीक्सपूर से मुकाबला होगा। पहले दौर के एक अन्य मैच में रूसी स्टार मेदवेदेव ने अनुभवी गाएल मोंफिल्स को 6-3, 6-4 से हराकर अगले दौर में जगह पक्की की।

रयान की आतिशी पारी से दक्षिण अफ्रीका ने आयरलैंड को 8 विकेट से हराया

-18वें ओवर में ही जीत की हासिल, 171 रन का मिला था लक्ष्य

अबुधाबी,(ईएमएस)। अबुधाबी के शेख जायद स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका और आयरलैंड के बीच पहले टी20 मैच खेला गया जिसमें आयरलैंड को हार का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने यह मैच आठ विकेट से जीत लिया। उनकी जीत में सबसे बड़ा योगदान रयान रिकेल्टन का था जिन्होंने 48 गेंदों पर आतिशी पारी खेल कर 76 रन बनाए। इससे पहले आयरलैंड टीम ने कर्टिस कैम्फर के 49 रनों की बदौलत 171 रन बनाए थे। इस लक्ष्य को पूरा करने उतरी अफ्रीकी टीम ने पहले विकेट के लिए रिकेल्टन और रीजा ने 13 ओवर में 136 रन बनाए। इसके बाद रीजा ने 51, ब्रीट्जके ने 19 तो मार्कराम ने 17 रन बनाए और 18वें ओवर में ही टीम को जीत दिला दी।

आयरलैंड की शुरूआत खराब रही। कप्तान पॉल स्टर्लिंग 2 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। रोस एडेयर 18 और हैरी टेक्टर 16 रन बनाकर आऊट हुए। मध्यक्रम में कर्टिस कैम्फर और नील रॉक ने पारी को संभाला। कैम्फर ने 36 गेंदों पर 6 चौके और 1 छक्के की मदद से 49 रन बनाए जबकि नील ने 28 गेंदों पर 4 चौके और 1 छक्के की मदद से 37 रन बनाए। इसके अलावा डाकरेल ने 16 गेंदों पर 21 रन बनाए। आयरलैंड के आखिरी के बल्लेबाज स्कोर नहीं कर पाए जिससे टीम 8 विकेट पर 171 रन ही बना पाई। अफ्रीका के पैट्रिक ने 27 रन देकर चार विकेट लिए।

अफ्रीका की शुरूआत शानदार रही। रयान ने शुरूआत से ही आयरलैंड के गेंदबाजों की जमकर धुलाई की। उनका रीजा ने साथ दिया। दोनों ने पहले विकेट के लिए 136 रन जोड़े। रीजा के रूप में अफ्रीका ने पहला विकेट गंवाया। उन्होंने 33 गेंदों पर 5 चौके और 3 छक्कों की मदद से 51 रन बनाए। वहीं, रयान ने 48 गेंदों पर 3 चौके और 6 छक्कों की मदद से 76 रन बनाए। मैथ्यूज ने 19 तो कप्तान ऐडन मार्कराम ने 17 रन बनाकर अपनी टीम को 18वें ओवर में जिता दिया।

दो मैच जीतने के बाद कंगारुओं की शर्मनाक हार, 126 पर सिमटी पूरी टीम

लॉर्ड्स,(ईएमएस)। लॉर्ड्स मैदान की रिकॉर्ड बुक खंगाले तो यहां खेले गए नौ वनडे मैचों में जो भी टीम पहले बल्लेबाजी करती है उसे मैच जीतने में सफल मिली है। वहीं शुक्रवार को इंग्लैंड को भी इसी तरह ऑस्ट्रेलिया पर बड़ी जीत हासिल हुई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच वनडे मैचों की सीरीज के चौथे मैच में इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया को 186 रनों से हरा दिया। इंग्लैंड ने पहले खेलते हुए हैरी ब्रूक के 87 और लिविंगस्टोन के 62 रनों धुंआधार पारी की बदौलत 312 रन बनाए जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 126 रन पर ही सिमट गई।

इंग्लैंड ने ओपनर फिलिप सॉल्ट (22) का विकेट 10वें ओवर में गंवाया। जबकि विल जैक 10 ही रन ही बना सके लेकिन इसके बाद बेन डंकेट और कप्तान हैरी ब्रूक ने स्कोर 150 के पार कराया। डंकेट ने 62 गेंदों पर छह चौके और एक छक्के की मदद से 63 रन बनाए। जबकि ब्रूक 58 गेंदों पर 11 चौके और एक छक्के की मदद से 87 रन बनाए। जेमी स्मिथ ने 28 गेंदों पर 39 रन बनाए। इसके बाद मध्यक्रम में लियाम लिविंगस्टोन और बीथल स्कोर को 5वें विकेट के नुकसान पर टीम का स्कोर 312 पर पहुंचाया। लियाम ने 27 गेंदों पर तीन चौके और 7 छक्कों की मदद से 62 रन ठाके। इंग्लैंड के लिए जंपा ने 66 रन देकर 2 विकेट झटके।

दो मैच जीतने के बाद कंगारुओं की शर्मनाक हार,126पर सिमटी पूरी टीम

लॉर्ड्स,(ईएमएस)। लॉर्ड्स मैदान की रिकॉर्ड बुक खंगाले तो यहां खेले गए नौ वनडे मैचों में जो भी टीम पहले बल्लेबाजी करती है उसे मैच जीतने में सफल मिली है। वहीं शुक्रवार को इंग्लैंड को भी इसी तरह ऑस्ट्रेलिया पर बड़ी जीत हासिल हुई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच वनडे मैचों की सीरीज के चौथे मैच में इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया को 186 रनों से हरा दिया। इंग्लैंड ने पहले खेलते हुए हैरी ब्रूक के 87 और लिविंगस्टोन के 62 रनों धुंआधार पारी की बदौलत 312 रन बनाए जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 126 रन पर ही सिमट गई।

इंग्लैंड ने ओपनर फिलिप सॉल्ट (22) का विकेट 10वें ओवर में गंवाया। जबकि विल जैक 10 ही रन ही बना सके लेकिन इसके बाद बेन डंकेट और कप्तान हैरी ब्रूक ने स्कोर 150 के पार कराया। डंकेट ने 62 गेंदों पर छह चौके और एक छक्के की मदद से 63 रन बनाए।

एनएसई और बीएसई ने ट्रांजेक्शन फीस में किया बदलाव

-1 अक्टूबर से कैश, फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस ट्रांजैक्शन के ट्रेड में लागू होंगी नई दरें

मुंबई(ईएमएस)।नेशनलस्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई)ने कैश और फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस ट्रेड के लिए लगने वाली ट्रांजैक्शन फीसमेंबदलाव किया है। एनएसई में कैश मार्केट के लिए अब ट्रांजैक्शन फीस 2.97 रुपए/लाख ट्रेडेड वैल्यू होगी। वहीं इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में फ्यूचर्स में ट्रांजैक्शन फीस 1.73 रुपए/लाख ट्रेडेड वैल्यू होगी।

जबकि ऑप्शंस में 35.03 रुपए/लाख प्रीमियम वैल्यू होगी। करेंसी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में एनएसई ने फ्यूचर्स के लिए ट्रांजैक्शन फीस 0.35 रुपए/लाख ट्रेडेट वैल्यू रखी है। जबकि करेंसी ऑप्शंस और इंटरेस्ट रेट ऑप्शंस में यह फीस31.1रुपए/लाख प्रीमियम वैल्यू होगी। इसी तरह बीएसई ने भी अपनी ट्रांजैक्शन फीस में बदलाव किया है। करेंसी डेरिवेटिव सेगमेंट में फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट्स (क्रॉस करेंसी फ्यूचर्स के साथ)पर एक करोड़ की टर्नओवर वैल्यू पर 45रुपए फीस लगेगी। बीएसई के ऑप्शंसपरएककरोड़ की प्रीमियम टर्नओवर वैल्यू पर100 रुपए की फीस लगेगी। येबदलाव1 अक्टूबर से लागू होंगे। एनएसई और बीएसई ने ट्रांजैक्शन फीस में यह बदलाव मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) की ओर से जुलाई में आए मैंडेट के बाद किए हैं। उस मैंडेट में सेबी ने स्टॉक एक्सचेंजेज को मार्केट इंफ्रास्ट्रक्टर इंस्टीटयूशंस के सभी सदस्यों के लिए यूनिफॉर्म फ्लैट फी स्ट्रक्चर रखना जरूरी किया था। इसके जरिए सेबी वॉल्यूम और एक्टिविटी के आधार पर अलग-अलग स्लैबों में अलग-अलग फीस के स्ट्रक्चर को बदलना चाहती है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार जल्द होगा 700 अरब डॉलर के पार

- लगातार 6वें सप्ताह फॉरेक्स रिजर्व में करीब 22 अरब डॉलर की हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार लगातार इतिहास रचता हुआ दिखाई दे रहा है। सिर्फ देश ही नहीं बल्कि विदेशी बाजारों में भी भारत के सेंसेक्स और निफ्टी की चर्चा हो रही है। वहीं भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी लगातार इतिहास रचता हुआ दिखाई दे रहा है। जानकारों की मानें तो आने वाले कुछ हफ्तों देश का फॉरेक्स रिजर्व 700 अरब डॉलर के भी पार सकता है। वैसे फॉरेक्स रिजर्व में लगातार 6वें हफ्ते इजाफा देखने को मिला है। इस दौरान फॉरेक्स रिजर्व में करीब 22 अरब डॉलर की बढ़ोतरी देखने को मिल चुकी है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 20 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 2.84 अरब डॉलर बढ़कर 692.30 अरब डॉलर के नये सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 22.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 689.46 अरब डॉलर की नयी ऊंचाई पर जा पहुंचा था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के जारी आंकड़ों के अनुसार 20 सितंबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.06 अरब डॉलर बढ़कर 605.69 अरब डॉलर हो गई। दूसरी ओर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 20 सितंबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.06 अरब डॉलर बढ़कर 605.69 अरब डॉलर हो गई।

डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 72.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 63.61 अरब डॉलर रहा। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 12.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.54 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 6.6 करोड़ डॉलर घटकर 4.46 अरब डॉलर रहा।

भारत और भूटान ने बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने का निर्णय लिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और भूटान ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कुछ सीमा पार बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकास में तेजी लाने के लिए चर्चा की। इनमें अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक एकीकृत जांच चौकी की स्थापना का मुद्दा भी शामिल रहा। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल और भूटान के उद्योग, वाणिज्य एवं रोजगार मंत्रालय (एमओआईसीई) के सचिव दाशो ताशी वांगमो के बीच थिम्पू में हाल ही में हुई बैठक में इन मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने बैठक की सह-अध्यक्षता करते हुए सीमापार और संपर्क के बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने का निर्णय लिया। इसमें जयगांव-फुंटशोलिंग में एक एकीकृत जांच चौकी की स्थापना और कोकराझार-गेलेफू और बानरहाट-समत्से के बीच रेल संपर्क शामिल है। बयान के अनुसार दोनों पक्षों ने भूटान से भारत में कबाड़ के आयात के लिए एलसीएस (भूमि सीमा शुल्क स्टेशन) जयगांव की अधिसूचना, भारत-भूटान सीमा पर सीमा हाट की स्थापना, व्यापारियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने और भूटान से भारत में बोल्डर के आयात पर विचार-विमर्श किया। इसके अलावा भूटान से भारत में आयात के लिए लकड़ी की तीन अतिरिक्त किस्मों को शामिल करने पर भी चर्चा हुई।

इस साल आईपीओ बाजार रहेगा तेज

-दिसंबर तक 1 लाख करोड़ जुटा सकती हैं कंपनियां

मुंबई (ईएमएस)। इस साल के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार में भी शेयर बाजार की तरह तेजी बनी रहने का अनुमान है। बताया जा रहा है कि कंपनियां दिसंबर तक एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा जुटा सकती हैं। इससे पहले 2021 में 63 आईपीओ के जरिए 1.20 लाख करोड़ रुपए जुटाने का रिकॉर्ड बनाया था।

इस साल के अंत तक कई बड़ी कंपनियां आईपीओ लेकर आ रही हैं। एक्सचेंजों के आंकड़ों के अनुसार इस साल अब तक कुल 62 आईपीओ आए हैं, जिन्होंने 64,513 करोड़ रुपए जुटाए हैं। इसके मुकाबले 2023 में 57 कंपनियों ने 49,437 करोड़ और 2022 में 40 कंपनियों ने 59,939 करोड़ रुपए जुटाए थे। सितंबर में 10 आईपीओ के जरिये 11,826 करोड़ रुपए जुटाए गए हैं, और दो और कंपनियां 500 करोड़ रुपए जुटाने के लिए बाजार में उतरने वाली हैं। इस साल के अंत तक कई बड़ी कंपनियां आईपीओ लेकर आ रही हैं, जिससे बाजार और गर्म हो सकता है। ह्युंडई मोटर 25,000 करोड़ रुपए के सबसे बड़े इश्यू के साथ अक्टूबर के अंत या नवंबर के पहले सप्ताह में आ सकती है। स्विगी 11,000 करोड़ रुपए के आईपीओ के साथ नवंबर में बाजार में उतरने की तैयारी में है।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी 10,000 करोड़ रुपए और अफकॉन्स इन्फ्रा 8,400 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही हैं। ये चार कंपनियां मिलकर 54,000 करोड़ रुपए जुटा सकती हैं। इसके अलावा वॉरी एनर्जी 3,000 करोड़ और वन मोबिक्विक 700 करोड़ रुपए जुटाने के लिए अक्टूबर में बाजार में आएंगे।

ब्रिटेन का भी मिला साथ, तो यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता पक्की!

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत काफी समय से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्थायी सदस्यता मांग कर रहा है, लेकिन चीन द्वारा लगाई गई कुछ रोक की वजह से मांग पूरी होने में ?दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि हाल में भारत के समर्थन में कई बड़े देशों का रुख सकारात्मक हुआ है। अमेरिका और फ्रांस के बाद अब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने भी भारत की यूएनएससी में स्थायी सदस्यता का समर्थन किया है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में अपने संबोधन के दौरान यह विचार व्यक्त किया। स्टार्मर ने कहा कि यूएनएससी को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण और कार्रवाई करने के लिए तैयार निकाय के रूप में बदलने की जरूरत है। उन्होंने भारत, जापान, ब्राजील, और जर्मनी को स्थायी सदस्य बनाए जाने का समर्थन किया, साथ ही अफ्रीका को भी स्थायी प्रतिनिधित्व दिए जाने की वकालत की। इसके अलावा उन्होंने निर्वाचित सदस्यों के लिए अधिक सीटें बढ़ाने की भी आवश्यकता बताई। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने भी भारत की स्थायी सदस्यता के समर्थन में बयान दिए थे। मैक्रॉन ने यूएनएससी में सुधार और इसे अधिक समावेशी बनाने पर जोर दिया था। उन्होंने भारत, ब्राजील, जापान, और जर्मनी के साथ दो अफ्रीकी देशों को भी स्थायी सदस्यता देने की वकालत की। भारत का तर्क है कि 1945 में स्थापित 15 सदस्यीय यूएनएससी मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता और इस मंच में सुधार की आवश्यकता है। भारत के अलावा जापान, ब्राजील, और जर्मनी भी लंबे समय से सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता की मांग कर रहे हैं, जिसे जी4 देशों का समूह कहा जाता है। भारत का कहना है कि उसे इस महत्वपूर्ण मंच पर स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए, क्योंकि वह दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक और आर्थिक शक्तियों में से एक है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के योगदान और विकासशील देशों के मुद्दों पर उसकी मजबूत स्थिति इसे इस सदस्यता का मजबूत दावेदार बनाती है।

महिलाओं को वजनदार मंगलसूत्र खरीदने में अब नहीं होगी समस्याः गोयल

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सोना सस्ता होने के बाद महिलाएं अब अधिक वजनदार मंगलसूत्र भी खरीद सकती हैं। उन्होंने कहा ?कि मुझे बताया गया है कि आयात शुल्क में कटौती के बाद कारोबार में उछाल आया है। अब मेरी राय में हमारी बहनों को अपने मंगलसूत्र खरीदने में मामले में कोई समस्या नहीं होगी और आप वजनदार मंगलसूत्र भी खरीद सकती हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोने के आयात पर सीमा शुल्क में भारी कटौती की घोषणा की थी। इस तरह शुल्क को 15 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत कर दिया गया है। गोयल ने कहा कि स्वर्ण उद्योग में शुल्क कम करने की बात हर चर्चा में छाई रहती थी और शुल्क कम करने की मांग होती रही थी। उन्होंने स्वर्ण एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद से विदेशों में आभूषण विक्रेताओं की दुकानों से भारतीय पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने में मदद करने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे देश और पूरे क्षेत्र को मदद मिलेगी।

जीएसटी के दायरे में आएंगे पेट्रोल-डीजल, 20 रुपए होगा सस्ताः पुरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने हाल ही में पेट्रोल और डीजल को वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाने की संभावना पर चर्चा की। पुरी ने कहा कि यह कदम देश की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने के लिए जरूरी है और इसके लिए आम सहमति बनानी होगी। अगर ऐसा होता है तो पेट्रोल और डीजल की कीमत में 20 रुपए लीटर तक की कमी देखने को मिल सकती है। पुरी ने पुणे इंटरनेशनल सेंटर के 14वें स्थापना दिवस पर एक व्याख्यान में कहा कि वह लंबे समय से इस मुद्दे का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी वरिष्ठ सहयोगी, वित्त मंत्री, ने भी इस दिशा में सकारात्मक बातें की हैं। मंत्री ने कहा कि पेट्रोल और डीजल राज्यों के लिए महत्वपूर्ण राजस्व स्त्रोत हैं और इसलिए सभी राज्यों की सहमति आवश्यक होगी। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने के लिए ईंधन की खोज और उत्पादन को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने यह भविष्यवाणी की कि अगले दो दशकों में भारत दुनिया की कुल ऊर्जा खपत में 25 प्रतिशत का योगदान देगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पेट्रोल और डीजल राज्यों के लिए महत्वपूर्ण राजस्व स्त्रोत हैं। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी राज्यों की सहमति की आवश्यकता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि सभी राज्यों का इसमें शामिल होना कठिन है, क्योंकि शराब और ऊर्जा जैसे उत्पादों पर राज्य करों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। पुरी ने केरल हाईकोर्ट के उस सुझाव का भी उल्लेख किया, जिसमें जीएसटी परिषद में इस मुद्दे पर चर्चा करने की बात कही गई थी। लेकिन केरल के वित्त मंत्री ने इससे असहमति जताई, क्योंकि गैर-भाजपा शासित राज्य पेट्रोल और डीजल पर लगने वाला अतिरिक्त वैट छोड़ने को तैयार नहीं हैं। इस स्थिति में, पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने के लिए सहमति स्थापित करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य होगा, लेकिन यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

बाइडेन की नाक के नीचे भारत-रुस की सीक्रेट बैठक......अमेरिका टेंशन में

वाशिंगटन (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र में दुनियाभर के राष्ट्राध्यक्ष पहुंचे हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र की बैठक में हिस्सा लेने के लिए रूस, चीन, अमेरिका, भारत और यूरोप के एक से बढ़कर एक देश और उनके प्रतिनिधि पहुंच रहे हैं। इस बीच कुछ ऐसी मुलाकात हो रही है, जिसे लेकर अमेरिका का बीपी हाई हो गया है। उसमें एक मुलाकात जहां ब्रिक्स देशों की थी। वहीं दूसरी मुलाकात चीन और पाकिस्तान के लिए खलबली पैदा करने वाली थी। ये मुलाकात भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरेव के बीच हुई। रूस यूक्रेन युद्ध के बीच जब हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस का दौरा किया और फिर बाद में व्लादिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की। फिर उनका अगला दौरा अमेरिका में निर्धारित हुआ। अमेरिका में जो बाइडेन के साथ उनकी युद्ध को लेकर बात हुई। अब जयशंकर और लावरोव मिले हैं।

मुलाकात में लावरोव और जयशंकर आमने सामने थे। ब्रिक्स के विस्तार को लेकर जब हर तरफ चर्चा हो रही है। फिर दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों को लेकर बातचीत शुरू हो गई। बातचीत के दौरान यूनाइटेड नेशन जनरल असेंबली का जिक्र हुआ। साथ ही ब्रिक्स को लेकर होने वाली बैठक का भी जिक्र हुआ। एशिया पेसेफिक रिजन को जोड़ने के लिए पश्चिमी देश किस तरह नाटो का इस्तेमाल कर रहे हैं, इस पर बार रूस जोर देता आया है। रूस ने बताया कि दोनों देशों के बीच आपसी साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। दोनों ने कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को लेकर भी चर्चा की। इसके पहले 25 सितंबर को यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) को बताया कि उन्होंने रूस के साथ कीव के लंबे युद्ध को समाप्त करने के लिए दूसरे अंतर्राष्ट्रीय शांति शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत को पहले ही आमंत्रित किया है। ज़ेलेंस्की ने इस बात पर ज़ोर दिया कि एकता हमेशा शांति के लिए काम करती है और युद्ध को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए सभी देशों से सामूहिक तैयारी का आह्वान किया।

मालदीव की चीन से नहीं बैठी पटरी, वापस भारत की शरण में आ रहे मुइज्जू

माले(ईएमएस)। मालदीव ने सोचा था चीन से दोस्ती करके भारत पर दबाव बना लेगा ये उसकी गलत फहमी निकली। अततः मालदीव की सभी गलत फहमियां दूर हो गई और उसे वापस भारत की शरण में लौटना पड़ रहा है। ये इसलिए कहा जा रहा है कि खुद मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने इंडिया आउट के किसी भी एजेंडे से इनकार करते हुए कहा कि उनके देश में विदेशी सेना की उपस्थिति द्वीपीय देश के लिए एक गंभीर समस्या थी। अब मुइज्जू अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में भारत की यात्रा करने वाले हैं। उनकी इस यात्रा से दोनों देशों के रिश्तों में आई कड़वाहट को दूर करने की कोशिश के तौर देखा जा रहा है। वे 6-10 अक्टूबर के दौरान द्विपक्षीय यात्रा के लिए भारत में रहेंगे। नाम नहीं बताने की शर्त पर दोनों देशों के लोगों ने बताया कि पीएम मोदी के साथ उनकी बैठकें 7 अक्टूबर को होने की संभावना है। बता दें कि मुइज़्ज़ू पिछली बार 9 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए छह अन्य क्षेत्रीय देशों के नेताओं के साथ नई दिल्ली आए थे।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में शामिल होने के लिए अमेरिका पहुंचे मुइज्जू ने गुरुवार को प्रिंसटन विश्वविद्यालय के कार्यक्रम 'डीन्स लीडरशिप सीरीज' में एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा कि हम किसी भी समय, किसी भी देश के खिलाफ कभी नहीं रहे। यह भारत को बाहर करना नहीं है। मालदीव के लोगों को अपने देश में विदेशी सेना की उपस्थिति से एक गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा था। मुइज्जू ने कहा कि मालदीव के लोग नहीं चाहते कि एक भी विदेशी सैनिक देश में रहे।भारत और मालदीव के बीच संबंध पिछले साल नवंबर से ही तनावपूर्ण हो गए थे, जब चीन के प्रति झुकाव रखने वाले मुइज्जू ने मालदीव के राष्ट्रपति का पदभार संभाला था। मुइज्जू ने भारत से कहा था कि वह देश द्वारा उपहार में दिए गए तीन विमानन प्लेटफॉर्म का संचालन कर रहे लगभग 90 भारतीय सैन्य कर्मियों को वापस बुला ले। भारत ने 10 मई तक अपने सैन्य कर्मियों को वापस बुला लिया और उनकी जगह डोर्नियर विमान और दो हेलीकॉप्टरों के संचालन के लिए असैन्य कर्मियों को तैनात कर दिया।

बीआईटी संधि का लाभ उठाए दोनों देशों के कारोबारी : सीतारमण

समरकंद (ईएमएस)। मोदी सरकार में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत और उज्बेकिस्तान के बीच शनिवार को हुए द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) का दोनों देशों के उद्योग से लाभ उठाने की अपील की है। वित्त मंत्री सीतारमण और उज़्बेकिस्तान के उप प्रधान मंत्री खोदजायेव जमशेद अब्दुखाकिमोविच ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर हस्ताक्षर किए। भारत और उज्बेकिस्तान के बीच बीआईटी प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय मिसालों और प्रथाओं के आलोक में भारत में उज्बेकिस्तान के निवेशकों और उज्बेकिस्तान में भारतीय निवेशकों को उचित सुरक्षा का आश्वासन देता है। यह न्यूनतम मानक उपचार और गैर-भेदभाव सुनिश्चित करके निवेशकों की धारणा और उनका विश्वास बढ़ाएगा, साथ ही मध्यस्थता के माध्यम से विवाद निपटान के लिए एक स्वतंत्र मंच प्रदान करेगा।

संधिपरहस्ताक्षर कर श्रीमती सीतारमण ने कहादोनों देशों के उद्योगों के बीच सार्थकबातचीत और सहयोग को प्रोत्साहित किया। दोनों पक्षों के कारोबारी समुदायों से बीआईटी का लाभ उठाने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि यह निवेश संबंधों को एक नए पथ पर ले जाएगा।

उन्होंने कहा कि नई बीआईटी आधुनिक अंतरराष्ट्रीय निवेश मानकों पर आधारित है, दोनों पक्षों के निवेशकों को मजबूत सुरक्षा प्रदान करती है, विश्वास और विश्वास का माहौल बनाती है। इस संधि पर हस्ताक्षर करने से विभिन्न क्षेत्रों में नए अवसर खुलने है।

बीआईटी निवेशों को जब्ती से सुरक्षा प्रदान करता है, पारदर्शिता, हस्तांतरण और नुकसान के लिए मुआवजे का प्रावधान करता है। हालांकि, इस तरह के निवेशक और निवेश संरक्षण प्रदान करते समय, दोनों देशों के विनियमन के अधिकार के संबंध में संतुलन बनाए रखा गया है और इस तरह पर्याप्त नीतिगत स्थान प्रदान किया गया है।

मंदी की मार से जूझता अमेरिका

- बड़ी संख्या में दिवालिया हो रहीं कंपनियां, बंद हो रहे रिटेल स्टोर्स

न्यूयॉर्क,(ईएमएस): अमेरिका में आर्थिक मंदी का गहरा असर रिटेल सेक्टर और कंपनियों पर पड़ा है। कमजोर ग्रोथ रेट और बढ़ती लागत के चलते, 2024 के पहले आठ महीनों में 452 कंपनियां दिवालिया घोषित हो चुकी हैं। इससे पहले 2020 में, कोरोना महामारी के दौरान, इसी अवधि में 466 कंपनियां दिवालिया घोषित की गई थीं। आर्थिक संकट की स्थिति ने न केवल कंपनियों को झकझोर कर रख दिया बल्कि रिटेल सेक्टर को भी बड़ा सदमा दिया है, जिससे स्टोर्स तेजी से बंद हो रहे हैं।

जानकारी अनुसार मंदी का रिटेल स्टोर्स पर गहरा असर देखने को मिला है। वर्ष 2024 में अब तक 4,548 रिटेल स्टोर्स का शटर डाउन हो चुका है, जो पिछले कुछ वर्षों में सबसे बड़ा आंकड़ा है। वहीं, नए स्टोर्स की संख्या 4,426 ही है, जो बंद हुए स्टोर्स के आंकड़ों से काफी कम है। साल 2020 के बाद यह पहली बार हुआ कि बंद होने वाले स्टोर्स की संख्या नए खोले गए स्टोर्स से अधिक हो गई है। इस गिरावट का मुख्य कारण महंगाई, बेरोजगारी और मकान व फर्नीचर से संबंधित सामान बेचने वाले विक्रेताओं को हो रहा भारी नुकसान बताया जा रहा है।

बंद हो रहे स्टोर्स

अनेक प्रमुख रिटेल कंपनियों ने भी अपने स्टोर्स बंद करने का फैसला लिया है। डॉलर ट्री ने 1,000 स्टोर्स बंद किए हैं, जबकि फैमिली डॉलर ने 600, सीवीएस ने 900, फुटलॉकर ने 400, और बेस्ट बाइ ने 100 स्टोर्स बंद कर दिए हैं। इसके अलावा, वालग्रीन्स ने 150, एक्सप्रेस ने 95, और वालमार्ट ने 7 स्टोर्स का शटर डाउन किया है। इन स्टोर्स के बंद होने का असर अमेरिकी उपभोक्ताओं पर भी पड़ा है, जो पहले से ही महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहे हैं, उन्हें अब वस्तुओं के और ज्यादा दाम देने पड़ रहे हैं। नए खोले गए स्टोर्स और बंद हुए स्टोर्स की वर्षवार संख्या इस प्रकार है-

नए और बंद स्टोर्स की संख्या

वर्ष	नए खुले	बंद हुए
2020	3,704	9,698
2021	5,048	5,228
2022	5,394	3,819
2023	5,843	548
2024	4,426	4,548

(साल 2024 के आंकड़े माह जनवरी से अगस्त तक के हैं)

ये कंपनियां हो रहीं दिवालिया

एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2024 में जनवरी से अगस्त तक 452 कंपनियों ने दिवालिया प्रक्रिया के लिए आवेदन दिया है। साल 2020 के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पता चलता है कि कंपनियां अपनी परिचालन लागत में हो रही वृद्धि और घटते मुनाफे के कारण अपने अस्तित्व को बचाने में असमर्थ हो गईं हैं। अमेरिका में यह आर्थिक संकट गहराता जा रहा है और आने वाले समय में इसके और भी गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

सूडान के एल फशर में आरएसएफ के हमले में आठ की मौत, 95 घायल

खार्तूम,(ईएमएस)। पश्चिमी सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी एल फशर में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के हमले में करीब आठ लोगों की मौत हो गई और 95 घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट में स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक इब्राहिम खातिर ने बताया कि आरएसएफ की गोलाबारी का लक्ष्य सूक अल-मवाशी बाजार था, जहां लोगों की भीड़ रहती है। आरएसएफ ने अभी तक इस हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

बता दें 10 मई से एल फशर में सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) और आरएसएफ के बीच भीषण झड़पें हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक एल फशर में करीब 15 लाख लोग रहते हैं, जिनमें से आठ लाख लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हैं। ज्ञात हो कि 22 सितंबर को एसएएफ और आरएसएफ के बीच सशस्त्र संघर्ष में तीन बच्चों समेत 11 लोगों की मौत हो गई थी और 17 घायल हो गए थे। यह झड़पें पश्चिमी उत्तर दारफुर राज्य की राजधानी एल फशर में हुई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक गैर-सरकारी सूडानी डॉक्टर्स नेटवर्क ने एक बयान में चेतावनी दी थी गई कि घनी आबादी वाले शहर में 10 मई से जारी संघर्षों से गंभीर मानवीय आपदा पैदा हो सकती हैं। उन्होंने गोलाबारी तत्काल बंद करने और शहर से नाकाबंदी हटाने की मांग की थी। बता दें कि संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक 15 अप्रैल 2023 से सूडान एसएएफ और आरएसएफ के बीच हिंसक संघर्ष में उलझा हुआ है। इस संघर्ष की वजह से करीब 20 हजार लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों घायल हुए हैं। इसके अलावा लाखों लोग विस्थापित हुए हैं।

नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र में लहराए दो मैप.....एक का संबंध भारत से

ईरान को चेतावनी, ऐसी कोई जगह नहीं जहां इजराइल नहीं पहुंच सकता

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। गाजा युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र में अपने पहले संबोधन में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मध्य पूर्व में संघर्ष के लिए ईरान को मुख्य किरदार के रूप में चित्रित किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन के दौरान दो मैप प्रदर्शित किए, जिसमें देशों के एक समूह को अभिशाप और दूसरे समूह को आशीर्वाद के रूप में दिखाया गया। उनकी तस्वीर इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही है।

दिलचस्प यह है कि दोनों मानचित्रों में फिलिस्तीनी क्षेत्रों- वेस्ट बैंक और गाजा को इजरायल के हिस्से के रूप में दिखाया गया है। वायरल तस्वीर में नेतन्याहू के दाहिने हाथ के नक्शे में ईरान, इराक, सीरिया और यमन को काले रंग में दिखाया गया है और उन्हें अभिशाप यानी द कर्स करार दिया गया है। जबकि बाएं हाथ के मानचित्र में मिस्त्र, सूडान, सऊदी अरब और भारत को हरे रंग में चित्रित किया गया है और इन देशों को आशीर्वाद यानी द ब्लेसिंग बताया गया है।

नेतन्याहू द्वारा दिखाए गए मैप में सीरिया के गोलान हाइट्स क्षेत्र को भी इजरायल का हिस्सा दिखाया गया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रॉप्स का उपयोग करने का इतिहास रखने वाले नेतन्याहू के इस कदम को पड़ोसी अरब देशों के साथ अपने बढ़ते संबंधों पर जोर देने के इजरायल के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 अक्टूबर, 2024 को इजरायल पर हमास के हमले की निंदा करने वाले पहले वैश्विक नेताओं में से एक थे। हालांकि, भारत ने क्षेत्र में पूर्ण युद्धविराम का आह्वान किया है और इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष के स्थायी समाधान लिए टू स्टेट सॉल्यूशन का समर्थन किया है।

नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में द कर्स और द ब्लेसिंग वाले मैप लहराते हुए कहा कि दुनिया को आशीर्वाद और अभिशाप के बीच चयन करना चाहिए। नेतन्याहू ने ईरान पर निशाना साधा और उस पर चरमपंथी संगठनों को हथियार व मदद देने का आरोप लगाया। उन्होंने दुनिया से इसतरह के देशों का तुष्टिकरण बंद करने का आग्रह किया। नेतन्याहू ने कहा, तेहरान के लिए मेरा एक संदेश है, अगर तुम हम पर हमला करते हो, तब हम तुम पर हमला करेंगे। ईरान में ऐसी कोई जगह नहीं है जहां इजरायल न पहुंच सके, और यह पूरे मध्य पूर्व के लिए सच है।

इजरायल द्वारा लेबनान में हिज्बुल्लाह के गढ़ों पर भारी बमबारी के साथ मध्य पूर्व संकट गहरा गया है। नेतन्याहू ने साफ शब्दों में फिलिस्तीन को भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि इजरायल दुनिया में शांति चाहता है। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा, फिलिस्तीनियों को यहूदियों के प्रति घृणा फैलाना बंद करना चाहिए और इजरायल के साथ समझौता करना चाहिए। इस साल जुलाई में ईरान की राजधानी तेहरान में हमास के पॉलिटिकल विंग के प्रमुख इस्माइल हनियेह की हत्या के बाद से इजरायल और उसके कट्टर प्रतिद्वंद्वी ईरान के बीच खुले संघर्ष का खतरा बढ़ रहा है।

कानपुर में भारी बारिश के कारण दूसरे दिन का खेल रद्द

कानपुर : भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जा रहा है। शनिवार को इस टेस्ट का दूसरा दिन रहा। बांग्लादेश ने पहले दिन बारिश की वजह से जल्दी स्टंप्स होने तक तीन विकेट पर 107 रन बना लिए थे। शनिवार को एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी।

दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल धुल गया। दूसरे दिन एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। खिलाड़ी स्टेडियम तो पहुंचे लेकिन जल्द ही फिर अपने होटल लौट गए। सुबह से ही कवर्स से मैदान को ढका गया था। भारी बारिश की वजह से मैदान में कवर्स के ऊपर पानी जमा है। पिछले एक घंटे से बारिश तो नहीं हो रही लेकिन कवर्स हटाए नहीं गए थे। सुपरसोपर्स काम में जुटे हुए हैं, लेकिन खेल होने की संभावना नहीं दिखी। फैंस काफी निराश दिखे। पहले दिन भी सिर्फ 35 ओवर का खेल हो सका था, जिसमें बांग्लादेश ने तीन विकेट गंवाकर 107 रन बनाए थे। अब भी तीन दिन का खेल बाकी है। र

चीन में हुआ घिनौना हादसा.....सड़कों पर फैल गया मानव मल

बीजिंग (ईएमएस)। चीन के नैनिंग शहर में एक बेहद अजीब और घिनौना हादसा हुआ। जब एक नया इंस्टाल किया गया सीवेज पाइप प्रेशर टेस्ट के दौरान फट गया। इस दुर्घटना ने मानव मल को 33 फुट ऊपर हवा में उछाल दिया, जिससे सड़क पर चलने वाले लोग, कारें और बाइक चालक बुरी तरह प्रभावित हुए।

घटना का वीडियो फुटेज डैशकैम पर कैद हुआ, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि किस तरह से मल का फव्वारा सड़क पर गिरा। विस्फोट की तीव्रता इतनी थी कि एक कार का शीशा करीब टूट गया। इसके अलावा, बाइक चालक और पैदल यात्री बदबूदार स्थिति से गुजरने के लिए मजबूर हो गए। अच्छी बात यह रही कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन कई वाहनों को नुकसान पहुंचा है। नानिंग म्यूनिसिपल इमरजेंसी मैनेजमेंट ब्यूरो ने पूप वोल्केनो नामक घटना की पुष्टि की है, जो सेप्टिक टैंक के पाइप के फटने के परिणामस्वरूप हुई। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने घटना पर प्रतिक्रिया देकर लिखा, मैं इस वीडियो में बदबू महसूस कर सकता हूं, और कुछ ने मजाक में कहा, बेहद खराब स्थिति में फंस गया हूं। यह घटना एक गंभीर समस्या को उजागर करती है, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य और सफाई पर चिंता बढ़ी है।

अमेरिका में हेलेन तूफान से 49 की मौत

न्यूयार्क(ईएमएस)। अमेरिका में हेलेन चक्रवात से 5 राज्यों में अब तक 49 लोगों की मौत हो गई है। तूफान की वजह से आए बवंडर और बाढ़ में कई घर ढह गए। चक्रवात का सबसे ज्यादा असर साउथ कैरोलिना और जॉर्जिया में देखने को मिला जहां कैटेगरी 4 के तूफान से 34 लोगों की मौत हुई है। पांचों राज्यों में तूफान की वजह से कई लोग फंसे हुए हैं, जिन्हें बचाने की कोशिश की जा रही है। नॉर्थ कैरोलिना में कुछ जगहों पर भूस्खलन भी हुआ। यहां लोगों को रेस्क्यू करने के लिए हेलिकॉप्टरों को भेजा गया। इस दौरान करीब 59 लोगों को एक अस्पताल की छत से भी बचाया गया। अमेरिका में तूफान की वजह से 45 लाख लोगों के घरों में बिजली सप्लाई नहीं हो पा रही है। फ्लोरिडा में रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए 4 हजार नेशनल गार्ड्समेन को तैनात किया गया है।

इजराइल सेना ने किया दावा......हिज्बुल्लाह के नेता हसन नसरल्लाह का बेटी संग हुआ खात्मा

तेलअवीव (ईएमएस)। इजरायल ने हिज्बुल्लाह के नेता हसन नसरल्लाह के मारे जाने का दावा किया है। इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने पोस्ट में लिखा, नसरल्लाह अब दुनिया को आतंकित नहीं कर पाएगा। आईडीएफ के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने बताया कि हिज्बुल्लाह के कई वरिष्ठ कमांडरों, जिसमें नसरल्लाह और दक्षिणी मोर्चे के कमांडर अली कराकी शामिल हैं, को मार गिराया गया है।

हमले की जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को दक्षिणी बेरूत में हिज्बुल्लाह के हेडक्वार्टर पर इजरायली एयर स्ट्राइक हुई, जिसमें नसरल्लाह और उनकी बेटी जैनब की मृत्यु की संभावना है। हगारी ने कहा, इजरायली इंटेलिजेंस एजेंसियों से मिली सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर हमारी एयरफोर्स ने हिज्बुल्लाह के सेंट्रल हेडक्वार्टर पर टारगेटेड अटैक किया, जो बेरूत के दाहियेह क्षेत्र में एक रेजिडेंशियल बिल्डिंग के बेसमेंट में स्थित था। उन्होंने कहा कि यह हमला तब हुआ जब हिज्बुल्लाह की सीनियर लीडरशिप इजरायल के नागरिकों के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों की योजना बना रही थी। नसरल्लाह के 32 साल के कार्यकाल में उन्होंने कई इजरायली नागरिकों और सैनिकों की हत्या और हजारों आतंकवादी गतिविधियों की योजना बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हगारी ने बताया कि हसननसरल्लाहकेनेतृत्व वाले आतंकी संगठन ने 8 अक्टूबर, 2023 को फिलिस्तीनी आतंकवादी संगठन हमास के साथ मिलकर इजरायल के खिलाफ युद्ध छेड़ा था। इस घटना से मध्य पूर्व में तनाव और बढ़ने की संभावना है, जो क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एक गंभीर चुनौती हो सकती है।

फिलिस्तीनी लोगों पर इस तरह के हमलों को कोई भी उचित नहीं ठहरा सकता

-यूएन महासचिव ने कहा- मानवीय व्यवस्था संकट में, हमें अब युद्ध विराम की जरूरत

जेनेवा,(ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक के उद्घाटन पर यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने गाजा में युद्ध पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि गाजा में युद्ध के दौरान अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून तार-तार हो गया है। गुटेरेस ने कहा कि वहां हत्या की दर उनके कार्यकाल में देखी गई किसी भी दर से ज्यादा है। गुटेरेस ने कहा, गाजा में हत्या और विनाश की रफ्तार एवं पैमाने मेरे महासचिव के रूप में पिछले वर्षों में कभी नहीं देखे गए। फिलिस्तीनी लोगों पर इस तरह हमले को कोई भी आधार उचित नहीं ठहरा सकता।

उन्होंने बेरूत पर हुए इजरायली हमलों के बारे में भी बात की। उन्होंने चेतावनी दी कि लेबनान में युद्ध बाहरी शक्तियों को शामिल करके और भी ज्यादा उग्र हो सकता है। उन्होंने दोनों पक्षों से इजरायल-लेबनान सीमा पर प्रस्तावित अस्थायी युद्ध विराम पर सहमत होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हमें अब युद्ध विराम की जरूरत है। हम गाजा जैसी अंतहीन वार्ताओं का बोझ उठा नहीं सकते। महासचिव ने कहा कि हमें किसी भी कीमत पर क्षेत्रीय युद्ध से बचना चाहिए। गाजा हिंसा का केंद्र बना हुआ है। गाजा ही इसे खत्म करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मानवीय व्यवस्था संकट में है। हमारे 226 साथी मारे गए हैं, जिनमें से कई अपने परिवारों के साथ मारे गए हैं। मैं इन हत्याओं की जांच और जवाबदेही की मांग करता हूं। साथ ही, पूर्वी यरुशलम समेत कब्जे वाले पश्चिमी तट पर हिंसा जारी है। सात अक्टूबर से अब तक करीब 700 फिलिस्तीनी और 14 इजरायली मारे गए हैं। यह पिछले दो दशकों में दोनों पक्षों की सबसे बड़ी संख्या है। नई बस्तियों का निर्माण, भूमि अधिग्रहण, विध्वंस और बसने वालों के बीच हिंसा सब जारी है।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कोर्ट के एडवाइजरी ओपिनियन में पता चला है कि कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र में इजरायल की लगातार मौजूदगी गैरकानूनी है। इजरायल का दायित्व है कि वह यहां से जल्द अपना कब्जा खत्म करे। उन्होंने आगे कहा कि इस बीच, इजरायली अधिकारी अंतरराष्ट्रीय मीडिया को कब्जे वाले फ़िलिस्तीनी क्षेत्र से रिपोर्टिंग करने से रोकना और सीमित करना जारी रखे हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया आउटलेट दुनिया की आंखें और कान हैं। पत्रकारों को हर जगह अपना काम करने में सक्षम होना चाहिए।

द्वारका के पास चार गाड़ियों के बीच भीषण टक्कर, 7 की मौत, 20 से ज्यादा घायल

द्वारका,28 सितंबर

द्वारका से 8 किलोमीटर दूर बर्डिया के पास चार गाड़ियों के बीच बड़ा हादसा हो गया। प्राइवेट बस, ईको कार, स्विफ्ट कार और बाइक के बीच हुआ हादसा. जिसमें सात लोगों की मौत हो गई है और 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं. घटना की सूचना मिलने पर द्वारका प्रांतीय अधिकारी और द्वारका पुलिस, फायर ब्रिगेड, आपातकालीन 108 सहित काफिला मौके पर पहुंचा। बड़ी संख्या में राहगीर और आसपास के लोग भी मदद के लिए दौड़ पड़े। इसके बाद घायलों को तुरंत इलाज के लिए द्वारका सिविल अस्पताल, खंभालिया अस्पताल और जामनगर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, गाय और बैल को बचाने के चक्कर में बस ड्राइवर ने बस मोड़ दी और बस डिवाइडर से टकराकर सामने से आ रही इको कार और स्विफ्ट कार और बाइक से टकरा गई. जिससे इको और स्विफ्ट में बैठे 2 लोगों और बस में बैठे 5 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि 16 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. जानकारी के मुताबिक 16 लोगों में से कुछ की हालत गंभीर मानी जा रही है. सभी पर्यटक द्वारका से जामनगर, राजकोट और अहमदाबाद जा रहे थे।

हादसे में मारे गए लोगों के नाम

1) हेतलबेन अर्जुनभाई ठाकोर (उम्र 28) गांवः कलोल

2) प्रियांशी महेशभाई ठाकोर (उम्र 18) गांवः कलोल

3) तान्या अर्जुनभाई ठाकोर (उम्र 3 वर्ष) गांवः कलोल

4)हिमांशु किशनजी ठाकोर (द्वितीय वर्ष)

5) वीरेन किशनजी ठाकोर

6)चिरागभाई - गांवः बरडिया

7) एक महिला

राष्ट्रीय राजमार्ग होने के बावजूद आवारा मवेशियों के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण तंत्र द्वारा कोई सतर्कता नहीं बरती जाती है. उनकी लापरवाही के कारण यह गंभीर हादसा हुआ है। एक साथ सात लोगों की मौत से द्वारका सूबा शोक में डूबा हुआ है.

द्वारका-जामनगर सिविल अस्पताल में डॉक्टरों को तैयार रहने का आदेश दिया गया है। राज्य मंत्री मुलुभाई बेरा, सांसद पूनमबेन मदाम, विधायक पबुभा माणेक समेत नेता और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे. द्वारका जिले के प्रभारी एसपी हार्दिक प्रजापति और डीवाईएसपी सागर राठौड़ और उनकी टीम ने इलाज के लिए बचाव और निकासी अभियान चलाया।

सीबीएसई ने कक्षा 10-12 बोर्ड परीक्षा दिशानिर्देश 2025 जारी किए

अहमदाबाद,28 सितम्बर,

चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए सीबीएसई ने 2025 में कक्षा 10-12 की बोर्ड परीक्षाओं में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य करने के लिए एक दिशानिर्देश की घोषणा की है। इस प्रकार जिस स्कूल में सीसीटीवी कैमरे नहीं होंगे, उसे परीक्षा केंद्र आवंटित नहीं किया जाएगा।

सीबीएसई बोर्ड ने दावा किया है कि 2025 में कक्षा 10-12 की परीक्षा में लगभग 44 लाख छात्र उपस्थित होने वाले हैं, और परीक्षा में किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। जिसमें शिक्षण संस्थानों को हाई रेजोल्यूशन कैमरे लगाने के निर्देश दिए गए हैं. हालांकि, बोर्ड परीक्षाओं के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुके हैं, जो 16 अक्टूबर तक चलेंगे।

बोर्ड ने कहा कि कक्षा 10-12 की परीक्षा में साहित्यिक चोरी की कोई घटना होने पर इसकी समीक्षा के लिए सभी परीक्षा केंद्रों की रिकॉर्डिंग परिणाम घोषित होने के दो महीने बाद तक संग्रहीत की जाएगी। जिस तक पहुंच केवल अधिकृत कर्मियों तक ही सीमित होगी।

'मैं कम पढ़ा-लिखा हूं लेकिन किसी भी मुद्दे पर चर्चा कर सकता हूं', संघवी की चुनौती पर इटालिया ने कहा- आइए

अहमदाबाद,28 सितंबर

आम आदमी पार्टी नेता गोपाल इटालिया ने गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी की सार्वजनिक रूप से चर्चा करने की चुनौती स्वीकार कर ली है। इटालिया ने कहा है, 'मैं गृह मंत्री द्वारा दी गई चुनौती स्वीकार करता हूं और गोपाल इटालिया से सार्वजनिक चर्चा के लिए तारीख, समय और स्थान बताने का अनुरोध करता हूं।' जिसका पत्र इटालिया ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है.

गोपाल इटालिया ने चुनौती स्वीकार कर ली

पत्र में इटालिया ने लिखा, ''गुजरात के गृह मंत्री के तौर पर काम करते हुए सोशल मीडिया पर अक्सर आप पर 'आठवीं पास मंत्री' होने का आरोप लगाया जाता रहा है. हाल ही में एक निजी न्यूज चैनल पर इंटरव्यू के दौरान आपसे एक सवाल पूछा गया था कि आप कम शिक्षा के साथ आठवीं पास हैं आप मंत्री होने के आरोपों के बारे में क्या कहते हैं? आपने कहा, 'मैं (हर्ष संघवी) कम पढ़ा-लिखा हूं लेकिन मैं एक आईएएस अधिकारी से हर दिन कुछ नया सीखता हूं।' ऐसा जवाब देकर आप मीडिया मंच से विरोधियों को चुनौती दे रहे हैं और कह रहे हैं कि मैं विरोधियों से किसी भी विषय पर खुले मंच पर चर्चा करने की चुनौती दे रहा हूं.'

इटालिया ने लिखा, ''हालांकि आप कम पढ़े-लिखे हैं, लेकिन मैं किसी भी विषय पर सार्वजनिक रूप से चर्चा करने की आपकी चुनौती स्वीकार करता हूं। मैं गोपाल इटालिया को एक नागरिक के रूप में स्वीकार करता हूं और आपके साथ सार्वजनिक बहस करने के लिए तैयार हूं। जिस विषय पर आपकी पकड़ है, उस पर सार्वजनिक रूप से बहस करने के लिए सरकार में मंत्रालय, इसलिए मैं आपकी चुनौती स्वीकार करता हूंठ

एक निजी न्यूज चैनल से इंटरव्यू के दौरान गृह राज्य मंत्री से पूछा गया, ''आप पर आठवीं पास की पढ़ाई को लेकर हमला किया जा रहा है. जिस पर हर्ष संघवी ने जवाब दिया, "उनका डेटा गलत है, आरोप सही है। मैं कम पढ़ा-लिखा हूं। लेकिन मैं हर दिन नई चीजें सीखता हूं। दिन-रात काम करने वाले माली से सीखता हूं। आईएएस से भी सीखता हूं। अनुभवी नेताओं से। मैं कोशिश करता हूं।" मेरे पास आने वाले हर नागरिक से सीखने के लिए, आज भी शिक्षा की बहुत कम जरूरत है, जो भी विषय पर चर्चा करना चाहते हैं, वो तैयार रहें, चाहे वो अर्थव्यवस्था हो, विकास हो, पर्यटन हो... मैं तैयार हूं हर विषय।"

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में संस्कृत को विशेष स्थान देकर भारतीय ज्ञान परंपरा का विकास किया जाएगा

वेरावल,28 सितंबर

संस्कृत संवाद प्रशिक्षण वर्ग से मजबूत होगी देवभाषा की नींव : सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते विद्वान; गुरु-शिष्य की प्राचीन शिक्षण पद्धति चरित्र निर्माण में सर्वोत्तम है सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय और विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से संस्कृत के पाठ्यक्रम और पाठ्यचर्या समीक्षा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें विशेषज्ञों ने संस्कृत और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में इसके महत्व पर चर्चा की।

इस कार्यशाला में भक्ति नरसिंह मेहता विश्वविद्यालय के चांसलर प्रो. डॉ। चेतन त्रिवेदी ने कहा, नई शिक्षा नीति मूलत: राष्ट्र निर्माण से जुड़ी है. चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से बनाई गई यह नीति युवाओं के बौद्धिक और सामाजिक रूप से सर्वांगीण विकास के साथ भारतीय ज्ञान, भारतीय परंपरा और भारतीय विचार का अनुसरण करने वाली शिक्षा नीति है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर चर्चा बैठक में छात्रों से लेकर कुलाधिपति तक सभी ने हिस्सा लिया. और संस्कृत पर किये गये मंथन का नवीनीकरण भविष्य में शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने आगे कहा, सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालयसंस्कृतऔरसंस्कृत के अध्ययन केलिए रीढ़ की हड्डी है। जो संस्कृत भाषा के प्रसार में सबसे बड़ा योगदान है।

उन्होंने आगे कहा कि आज चिंता और विचार के संयोजन के साथ संस्कृत भाषा में व्यावहारिक शिक्षा और समयबद्ध शिक्षा की वापसी पर चर्चा करने की तत्काल आवश्यकता है। यह कहकर उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित संचार वर्ग से संस्कृत की नींव मजबूत होगी। सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति ने समाजोपयोगी संस्कृत एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 वसुधैव कुटुमकम एवं एक भारत, श्री भारत के आदर्श वाक्य को मूर्त रूप देने वाली नीति है। जिस प्रकार शरीर के विकास के लिए भोजन की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार मन के विकास के लिए ज्ञान की आवश्यकता होती है। भारतीय इतिहास पर नजर डालें तो गुरु और शिष्य की परंपरा बहुत पुरानी है।

सरकारी अफसर बनाने की बात कहकर ठगे10 करोड़, नौकरी का लालच देकर गुजरात में पहली बार इतनी बड़ी ठगी

अहमदाबाद,28 सितंबर,

क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज की गई है कि अहमदाबाद में रहने वाले चार गिरोह ने पांच युवकों के साथ मिलकर गुजरात लोक सेवा की परीक्षा के बिना सीधे डिप्टी कलेक्टर की नियुक्ति दिलाने का लालच देकर 3.45 करोड़ रुपये की ठगी की है आयोग। नौकरी के लालच में तय रकम का आधा हिस्सा लेने के बाद भरोसा दिलाने के लिए सरकारी नौकरी के फर्जी नियुक्ति पत्र भी दे दिए। आरोपियों ने एक पोस्ट के लिए दो से डेढ़ करोड़ की रकम तय की थी. इस पूरे मामले में अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है. जिसके आधार पर आज अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के पास से फर्जी नियुक्ति पत्र और मोहरें बरामद की गई हैं। पुलिस ने संभावना जताई है कि आरोपियों ने सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर कई लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी की है.

निकोल में कृष एक्सोटिका अपार्टमेंट के निवासी योगेशभाई पटेल द्वारा अपराध शाखा में दर्ज की गई शिकायत का विवरण यह है कि चार साल पहले, उनकी मुलाकात जीतेंद्र प्रजापति (बाकी घनश्यामनगर सोसायटी, न्यू वाडगे) से उनके मिर्ज़ापुर कामा कमर्शियल कॉम्प्लेक्स स्थित कार्यालय में हुई थी। एलएलबी प्रवेश. इसी समय उनकी मुलाकात जदाप टेलर (निवासी श्रीकृष्ण सोसायटी, इसानपुर) से हुई। जितेंद्र प्रजापति ने कहा कि गडप एक वकील है और वह वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के सीधे संपर्क में है और जीपीएससी द्वारा जारी सरकारी नौकरियों में सीधे भर्ती करता है। गडप ने कहा, अहमदाबाद में डिप्टी कलेक्टर का एक पद खाली है. उस स्थान पर योगेशभाई को नियुक्त किया जाएगा। इसके लिए ढाई करोड़ रुपये देने होंगे.

जिसमें पहले 1.5 करोड़ रुपये एडवांस में दिए जा सकते हैं, फिर 1 करोड़ रुपये नौकरी लगने के बाद 25 लाख रुपये की किश्तों में दिए जा सकते हैं. तो योगेश भाई ने तेजी लाने की बात पर हां कर दी और फाइल तैयार करने के लिए दस्तावेजों के साथ क्लाइंट फीस के तौर पर पांच लाख रुपये दे दिए. कुछसमय बाद यादप के एक आदमी हितेश सैनी और यादप ने 16 लाख रुपए लेकर10दिन में डिप्टी कलेक्टर के पद परनियुक्ति मिल जाएगी और गुजरात लोक सेवा आयोग के सचिव का हस्ताक्षरित पत्र दिया।

गुजरात में अब रात 12 बजे लाउडस्पीकर बंद कर रातभर गरबा खेलने की छूट

अहमदाबाद (ईएमएस) शारदीय नवरात्रि के आडे गिनती के दिन रह गए हैं और उससे पहले गुजरात सरकार ने बड़ा फैसला किया हैं राज्य में अब रातभर लोग गरबा खेल सकेंगे, हांलाकि शर्त यह होगी कि उसके लिए रात 12 बजे लाउडस्पीकर बंद कर देना अनिवार्य हैं गुजरात सरकार के इस फैसले का राज्य के लोगों ने स्वागत किया हैं गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस साल नियमों के पालन के साथ रात 12 बजे के बाद भी गरबे खेला जा सकता हैं रात 12 बजे के बाद लाउडस्पीकर बंद कर गरबा का आयोजन किया जा सकता हैं उन्होंने कहा कि नियमों का पालन करें और देर तक गरबा खेलें आयोजकों ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया हैं सबसे बड़ी राहत की खबर गरबा खेलने वाले छोटे व्यापारियों के लिए हैं इस वर्ष नियमों के पालन के साथ देर रात तक गरबा खेला जा सकता है। राज्य सरकार की गाइडलाइन के मुताबिक इस साल लाउडस्पीकर बंद कर देर तक गरबा जारी रखने की इजाजत दी गई हैं ऐसे में इस साल लोग देर रात तक गरबा खेलने के बाद नाइट लाइफ का मजा लेते हुए खाने-पीने का भी मजा ले सकेंगे। खाद्य एवं पेय पदार्थ व्यापारियों, गरबा आयोजकों और गरबा खेलने वालों ने राज्य सरकार के इस फैसले का स्वागत किया हैं

'शोर मचाया तो तुम्हारे लड़के को मार डालूंगा'.. चलती बस में ड्राइवर ने किया महिला से रेप

सूरत 28 सितंबर

ड्राइवर ने चलती बस में महिला से किया रेपः सूरत से एक चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। यहां चलती बस में एक प्राइवेट लग्जरी ड्राइवर द्वारा महिला से रेप करने की घटना से हड़कंप मच गया. जानकारी के मुताबिक, घटना लाठी से सूरत आ रही मारुति नंदन ट्रैवल्स की बस में हुई. दावा किया गया कि पीड़िता को उसके बेटे को जान से मारने की धमकी देकर यह कृत्य किया गया।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पीड़िता परवत पाटिया इलाके की रहने वाली है. जिसकी उम्र करीब 33 वर्ष बताई जा रही है। निजी लग्जरी बस के ड्राइवर को बेहोश हुए 3 घंटे से ज्यादा हो गए। इस मामले में कापोद्रा पुलिस को शिकायत मिली और जांच भी की गई है. पुलिस के मुताबिक वारदात को रात 2 बजे से सुबह 5 बजे के बीच अंजाम दिया गया है.

इस मामले में एसीपी विपुल पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि घटना वाले दिन रात करीब दो बजे मारुति नंदन ट्रैवल्स के ड्राइवर ने घटना को अंजाम दिया. ड्राइवर ने यह अपराध महिला की इच्छा के विरुद्ध किया। इसी बीच ड्राइवर ने पीड़िता को धमकी दी कि अगर उसने घटना के बारे में किसी को बताया तो वह उसे जान से मार देगा.

पुलिस में दर्ज शिकायत में पीड़िता ने बताया कि 14 सितंबर को मैं लाठी में रहने वाली अपनी बहन से मिलने के लिए मारुति नंदन लग्जरी बस से सरथाणा से निकली थी. अगली सुबह जब वह वहां पहुंचा तो उसके टिकट पर लिखे नंबर के आधार पर उस लग्जरी बस के ड्राइवर ने उसे बार-बार फोन किया और दोस्ती बनाए रखने के लिए दबाव डाला। हालाँकि, उन्होंने मना कर दिया।'

पुलिस में दर्ज शिकायत के मुताबिक, अगले दिन रात को पीड़िता ने उसी लग्जरी बस में टिकट बुक किया और अपने बेटे के साथ सूरत के लिए रवाना हो गई. रात दो बजे तारापुर चौकड़ी पार करने के बाद जब सभी यात्री सो रहे थे तो दूसरा ड्राइवर बस चला रहा था, तभी बुलाने वाला ड्राइवर उसके सोफे पर आया और जबरन संबंध बनाने लगा. बेटे को जान से मारने की धमकी भी दी। ड्राइवर ने महिला के साथ दुष्कर्म किया और किसी को न बताने की धमकी दी।

आईपीओ में ऊंचे रिटर्न का वादा कर 42 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी

अहमदाबाद,28 सितंबर

सीआईडी क्राइम में शिकायत दर्ज की गई है कि शहर में रहने वाले और एक निवेश कंपनी के मालिक दंपति ने आईपीओ में प्रति माह नौ प्रतिशत तक रिटर्न का वादा करके कई निवेशकों से 42 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की। निवेशकों में भरोसा जगाने के लिए आरोपी दंपत्ति कंपनी के लेटरहेड पर लिखित में आश्वासन देते थे. इस पूरे मामले की जांच में कई बड़े खुलासे होने की संभावना जताई गई है. सीआईडी क्राइम में निकोल के नारायण डुप्लेक्स के निवासी जलपिनभाई भिमानी द्वारा दर्ज की गई शिकायत का विवरण यह है कि वह जिगर तुली (निवासी असरया फ्लैट, न्यू राणिप) के संपर्क में था, जो मणिनगर में एक ट्रेडिंग एजेंसी में काम कर रहा था। पिछले पांच साल. जो शेयर बाजार में निवेश के टिप्स दे रहा था. दिसंबर 2021 में उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी और टेनस्कोप मैनेजमेंट नामक कंपनी की स्थापना की। जिगर तुली और उनकी पत्नी सपना तुली निर्देशक थे। उन्होंने जलपिनभाई को आईपीओ के माध्यम से उनकी कंपनी में निवेश करने पर उच्च रिटर्न का आश्वासन दिया।

जिसमें शुरू में जलपिनभाई को उनके निवेश के लिए थोड़ी सी रकम का मुआवजा मिला और उसके बाद उन्होंने जलपिनभाई को विभिन्न निवेश योजनाओं के बारे में समझाकर और अन्य लोगों को लालच देकर 38 निवेशकों के साथ विभिन्न आईपीओ में 74 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कराया। लेकिन, तय के मुताबिक मुआवजा नहीं दे रहे थे। इसलिए निवेशकों ने मुआवजे की मांग करते हुए 12 करोड़ रुपये लौटा दिए। लेकिन, निवेशकों का आईपीओ मुनाफा काटकर 42 करोड़ की रकम का भुगतान नहीं किया गया. वहीं, जब निवेशकों ने पैसे मांगे तो जिगर तुली ने उन्हें धमकी दी. इस संबंध में गांधीनगर सीआईडी क्राइम की ओर से जांच शुरू कर दी गई

कर्णावती क्लब के पास 40 लाख की लूट कर दो बदमाश फरार

अहमदाबाद ,28 सितंबर,

अहमदाबाद में कर्णावती क्लब के पास एक ठेकेदार आंगडिया फर्म से पैसे लेकर कार से जा रहा था, तभी बाइक पर दो अज्ञात व्यक्ति आए और कहा कि कार में पंक्चर हो गया है, ठेकेदार कार से बाहर निकला और काम पूरा होने पर ठेकेदार से मिलने गया पुलिस मौके पर पहुंच गई है और कर्णावती क्लब के पास 40 लाख की लूट पूरी घटना की जांच कर रही है.

अहमदाबाद मण्डल पर 'स्वच्छता ही सेवा 2024' अभियान के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद मण्डल पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2024 तक सक्रिय रूप से 'स्वच्छता ही सेवा 2024' अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत 25 से 28 सितंबर 2024 तक कई जागरूकता और स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें घर-घर जाकर स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने, स्वच्छ भारत मिशन के तहत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित करना, स्वच्छ फूड इनिशिएटिव और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से जन-जागरूकता बढ़ाने जैसी गतिविधियां शामिल है।

अहमदाबाद मण्डल पर घर-घर जाकर जागरूकता अभियान सफलतापूर्वक चलाया गया। इस अभियान के दौरान रेलवे कॉलोनियों में सभी घरों का दौरा किया गया और निवासियों को सामुदायिक स्वच्छता बनाए रखने के बारे में शिक्षित किया गया। रेलवे परिवार के सदस्यों को उचित अपशिष्ट निपटान और स्वच्छता के बारे में बताया गया, जिससे व्यक्तियों को अपने आस-पास के वातावरण को साफ रखने की व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित किया गया।

''स्वच्छता ही सेवा'' कैंपेन के अंतर्गत स्वच्छ फूड इनिशिएटिव के तहत मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर फूड स्टॉल्स, कैंटीन और ट्रेनों में पैंटीकार आदि का निरीक्षण किया गया। जिसमें स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा अहमदाबाद, साबरमती, पालनपुर और गांधीधाम, डीआरएम ऑफिस स्टाफ कैंटीन सहित अन्य स्टेशनों पर फूड स्टॉल्स, ट्रॉली और कैंटीन का निरीक्षण किया गया तथा यात्रियों, वैंडर्स और रेल कर्मियों को स्वच्छ फूड एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में जानकारी दी गई। इसी प्रकार अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधीक्षक साबरमती द्वारा पालनपुर स्टेशन व रेलवे कॉलोनी और साबरमती स्टेशन पर फूड स्टाल्स का निरीक्षण किया गया। रेल कर्मचारियों, वेंडर्स एवं यात्रियों को हाइजीन फूड एवं स्वच्छता के बारे में जानकारी दी।

इसके साथ ही, अहमदाबाद स्टेशन, मण्डल रेलवे हॉस्पिटल साबरमती और साबरमती स्टेशन पर नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया। इन नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से रेल यात्रियों, कुलियों, वेंडर्स और कर्मचारियों को सिंगल यूज़ प्लास्टिक के नुकसान और स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया गया, साथ ही स्वच्छता बनाए रखने और सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिए प्रेरित किया गया।

पश्चिम रेलवे-अहमदाबाद

(सर्वेक्षण और निर्माण)

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सं. Dy CE-C-V-DSL-NLY-11 दि. 25.09.2024; भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए उप मुख्य अभियंता (C) V अहमदाबाद निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते है: **(1) ई-निविदा सं. Dy CE-C-V-DSL-NLY-11. (2) कार्य का नाम:** पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर भुज-नालिया गेज परिवर्तन के संबंध में भुज-नालिया अनुभाग के बीच भूमि सीमा पोस्ट/पिलर का प्रावधान और टो/अर्थ रिटेनिंग वॉल का निर्माण, भुज स्टेशन पर एप्रोच रोड सहित सुरक्षा लोडिंग प्लेटफॉर्म, यात्री सुविधाओं सहित यात्री प्लेटफॉर्म का प्रावधान। **(3) अनुमानित लागत:** ₹ 39,07,59,604.82 **(4) बिड सिक्युरिटी:** ₹ 21,03,800 **(5) निविदा का प्रकार:** दो पेकेट सिस्टम **(6) समापन अवधि:** 4 माह **(7) बंद होने की तिथि एवं समय:** 17/10/2024 15.00 **(8) वेबसाइट का विवरण नोटिस बोर्ड का स्थान जहां निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है और कार्यालय का पता: वेबसाइट: www.ireps.gov.in** उप मुख्य अभियंता(C) V पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद 51

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

24 घंटों में राज्य की 233 तहसीलों में बारिश, नर्मदा जिले के सागबारा में सबसे अधिक 7 इंच

अहमदाबाद (ईएमएस) पिछले 24 घंटों में राज्य की 233 तहसीलों में बारिश दर्ज की गई हैं नर्मदा, सुरेंद्रनगर, जूनागढ़, गिरसोमनाथ, पंचमहल, भावनगर, राजकोट, अरावली, दाहोद समेत कई जिलों में बारिश हुई हैं सबसे अधिक बारिश नर्मदा जिले के सागबारा में 7 इंच हुई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक सूरत समेत दक्षिण गुजरात में बारिश का दौर जारी है। राज्य में मानसून अपने अंतिम चरण में है और बिदाई से पहले कई जिलों में धुआंधार बारिश हो रही हैं कल जूनागढ़ और सूरत में मूसलाधार बारिश हुई थी वहीं आज नर्मदा के सागबारा में करीब 7 इंच बारिश हुई हैं लखतर में 5.5 इंच, जूनागढ़ में 4 इंच, धोराजी में 4 इंच, माणावदर, उपलेटा, भनवाड में 4 इंच, तलाला, राणावाव में 4 इंच जबकि अन्य तहसीलों आधे से साढ़े तीन इंच तक बारिश हो चुकी है। सूरत समेत दक्षिण गुजरात में बारिश ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं कॉजवे ओवर टॉपिंग के कारण 7 सड़कों को बंद कर दिया गया है। इन सड़कों में मांडवी की 6 और मांगरोल की एक सड़क शामिल है। ऑलपाड में 2 इंच, कामरेज में 1 इंच बारिश हुई। जबकि नए पानी की आय से उकाई बांध की सतह बढ़कर 344.13 फीट हो गई हैं उकाई बांध में अब तक 79,000 क्यूसेक पानी आ चुका हैं जबकि तापी में 15 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इसके अलावा पंचमहाल के गोधरा में भी भारी बारिश हुई हैं वहीं भावनगर के महुआ शहर और ग्रामीण में मूसलाधार बारिश हुई है।

पश्चिम रेलवे-राजकोट मण्डल

विभिन्न कार्य

ई-निविदा सूचना सं. 23 वर्ष 2024-25 दिनांक 23/09/2024. ऑफिस का पता: मण्डल रेल प्रबन्धक (इंजी.), पश्चिम रेलवे, कोठी कम्पाउण्ड, राजकोट, गुजरात - 360001. **वेबसाइट: www.ireps.gov.in.**

क्र. सं.	ई-निविदा संख्या	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	बयाना राशि
1	DRM-RJT-2024-25-E-53	सहायक मण्डल इंजीनियर - राजकोट के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत एक वर्ष की अवधि के लिए पुलों की वार्षिक मरम्मत और रखरखाव।	₹ 99,01,690.00	₹ 1,98,000.00
2	DRM-RJT-2024-25-E-54	राजकोट मण्डल : (1) सुरेन्द्रनगर :- ध्रांगध्रा कॉलोनी (ब्लॉक सं. M1 से M 21, कुल-38 इकाइयां) के क्वार्टरों में पानी की आपूर्ति, WC बाथरूम, रसोई, पीछे की ज़ेफिरी, सामने बरामदा कोर्टयार्ड में सुधार। (2) सुरेन्द्रनगर में DHG कॉलोनी के कर्मचारी क्वार्टरों में सुधार, लिक छत, ड्रेनेज प्रणाली, पानी की व्यवस्था, WC बाथ, रसोई, दरवाजे, खिड़कियां, ज़ेफ़री, बरामदे और C/Y यार्ड, सड़क, बाग़ की मरम्मत। (3) लीलापुर रोड, बजरंगपुरा एवं बाला रोड:- वरिष्ठ अनुभाग इंजीनियर (वर्क्स) सुरेन्द्रनगर के अधीन प्लेटफॉर्म सरफेसिंग और चेतावनी टाइल की आपूर्ति और प्लेटफॉर्म कोपिंग की मरम्मत।	₹ 4,09,65,000.71	₹ 3,54,800.00
3	DRM-RJT-2024-25-E-55	वांकानेर : क्वार्टर नं. M/35, M/37, M/39, T/14, T/15, M/32, T/23, EL/33 एवं T/11 में मैंगलोर टाइल्स की छत का प्रतिस्थापन।	₹ 76,10,906.14	₹ 1,52,200.00

उपरोक्त सभी निविदाओं के लिए: निविदा खोलने की तिथि और समय: 15/10/2024, 15:00 बजे

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फोलो करें: twitter.com/WesternRly 98

सत्यमेव जयते Govt. of Gujarat

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, गुजरात सरकार और

यू .एन. मेहता इंस्टिटयूट ऑफ़ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेन्टर

मना रहा है...

विश्व हृदय दिवस

USE ♥ FOR ACTION

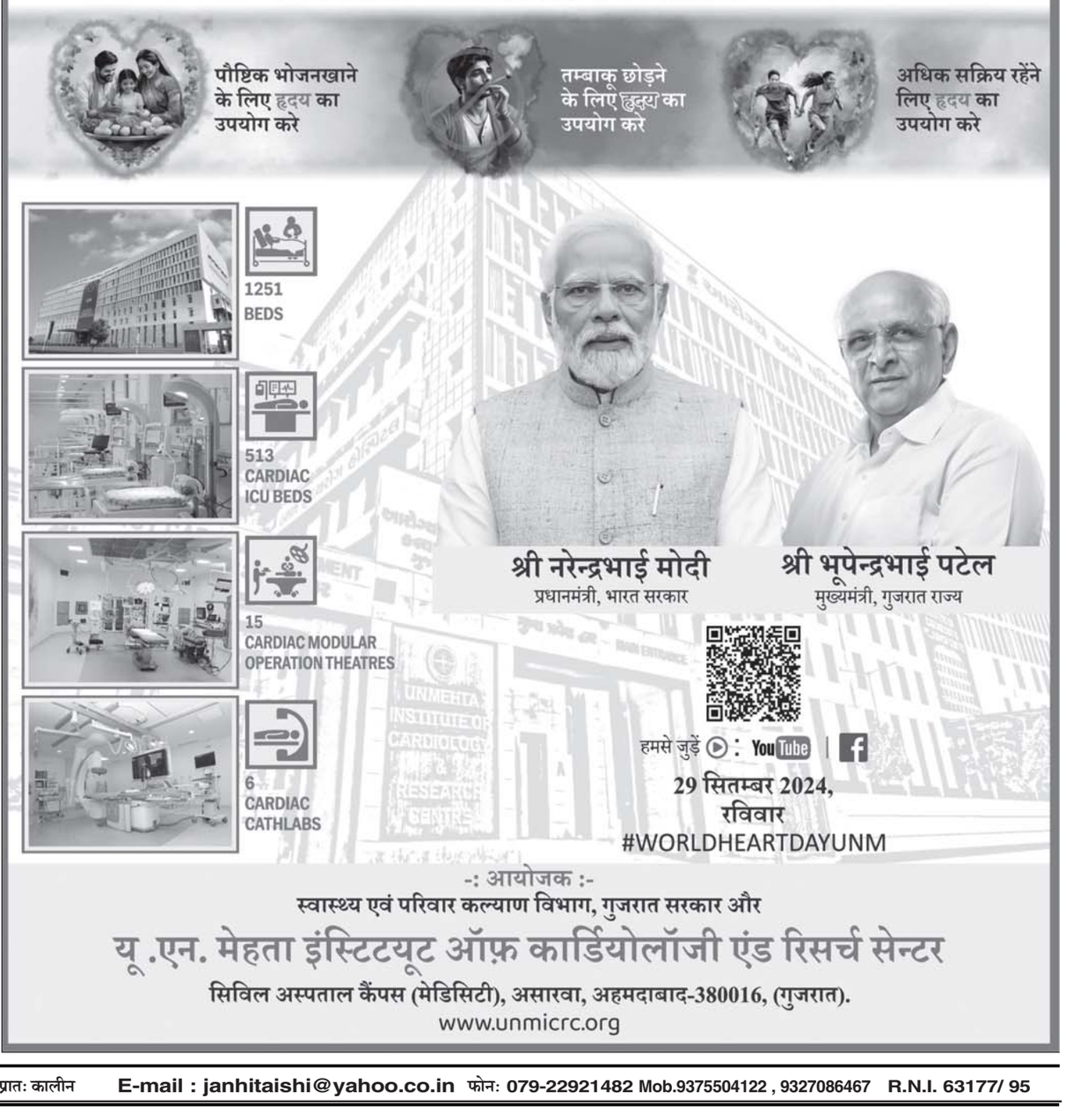

हमसे जुड़ें : YouTube | facebook

29 सितम्बर 2024, रविवार

#WORLDHEARTDAYUNM

-: आयोजक :-

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, गुजरात सरकार और

यू .एन. मेहता इंस्टिटयूट ऑफ़ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेन्टर

सिविल अस्पताल कैंपस (मेडिसिटी), असारवा, अहमदाबाद-380016, (गुजरात).

www.unmicrc.org

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95